घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 63- शुक्रवार 02- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी...

राजस्थान सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तारबीएसएफ जवानों ने जैसलमेर में पकड़ा

जैसलमेर,01 जनवरी 2026। जैसलमेर जिले में भारतीय सीमा में अवैध घुसपैठ के प्रयास के दौरान बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। घुसपैठिए को नाचना और नोक सेक्टर से सटे क्षेत्र में पकड़ा गया। अधिकारियों के अनुसार,प्रारंभिक जांच में यह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्थिर प्रतीत होता है। हालांकि उसकी सटीक मानसिक स्थिति और पृष्ठभूमि की पुष्टि विस्तृत चिकित्सा जांच और संयुक्त पूछताछ केंद्र द्वारा की जाएगी। प्रारंभिक पूछताछ में व्यक्ति ने अपने आप को इश्रात, 35 वर्षीय, पिता राणा मोहम्मद असलम, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा जिले का निवासी बताया। उसके पास पाकिस्तानी मुद्रा, एक चाकू और कुछ अन्य सामान भी पाए गए। बीएसएफने घुसपैठिए को आगे की जांच के लिए नोक पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि व्यक्ति ने सीमा पार कैसे की और क्या इस घटना से किसी प्रकार की सुरक्षा संबंधी चिंता पैदा हो सकती है।

भारत-पाकिस्तान ने एक-दूसरे को परमाणु ठिकानों की जानकारी दी...

नई दिल्ली,01 जनवरी 2026। भारत और पाकिस्तान ने गुरुवार 1 जनवरी को एक-दूसरे के साथ अपने परमाणु ठिकानों की लिस्ट शेयर की है। ये ठिकाने वही हैं, जहां दोनों देशों के परमाणु हथियार रखे जाते हैं। यह परंपरा पिछले 35 साल से चल रही है। भारत और पाकिस्तान ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के जरिए इस लिस्ट का आदान-प्रदान किया। यह सूची भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध संबंधी समझौते के तहत आती है। यह समझौता 31 दिसंबर 1988 को साइन किया गया था। इसमें लिखा है कि दोनों देश इन परमाणु ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे। समझौता 27 जनवरी 1991 से लागू हुआ। इसके तहत भारत और पाकिस्तान हर कैलेंडर वर्ष के 1 जनवरी को एक-दूसरे को परमाणु ठिकानों के बारे में बताते हैं। पहली बार लिस्ट 1 जनवरी 1992 को शेयर की गई थी। यह लिस्ट ऐसे समय में बदली गई है जब मई 2025 में पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसी दौरान पाकिस्तान के परमाणु ठिकाने किराना हिल्स पर ड्रोन गिरने का दावा किया गया था। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। ये आंकड़े स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 के वर्ल्ड न्यूक्लियर फोर्सेस डेटा पर आधारित हैं, जिसमें दोनों देशों के हथियारों की संख्या स्टॉकपाइल (पूंजीकृत भंडार) के रूप में दी गई है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन इसी माह...

अब पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी-कोलकाता के बीच चलेगी

अश्विनी वैष्णव बोले...बुलेट ट्रेन अगले साल 15 अगस्त को शुरू

नई दिल्ली,01 जनवरी 2026। पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी। थर्ड एसी का किराया 2,300 तय किया गया है। वहीं सेकेंड एसी का किराया 3,000 होगा। फर्स्ट एसी का किराया करीब 3,600 प्रस्तावित किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल, टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा कर लिया है। स्लीपर ट्रेन को 1000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस साल के आखिर तक लगभग 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें तैयार हो जाएंगी। दो दिन पहले इस ट्रेन का ट्रायल रन किया गया था। यह ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से कोटा-नागदा रेलवे ट्रैक पर दौड़ी। लोको पायलट ने 4 ग्लास में पानी रखा,इतनी रफ्तार के दौरान भी ग्लास में से पानी नहीं छलका। उधर बुलेट ट्रेन को लेकर रेलमंत्री ने कहा कि यह 15 अगस्त 2027 को शुरू होगी। सबसे पहले सूरत से बिलिमोरा तक का सेक्शन खुलेगा। उसके बाद वापी से सूरत तक खुलेगा। फिर वापी से अहमदाबाद तक खुलेगा और उसके बाद ठाणे से अहमदाबाद तक चलाई जाएगी।

रात के सफर में मिलेगी वर्ल्ड-क्लास सुविधा

रेल मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी की रात की यात्राओं के लिए डिजाइन की गई है। यह ट्रेन यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं, बेहतर सुरक्षा और एक आधुनिक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। इसे भारतीय रेलवे के लिए एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है, जो प्रीमियम यात्रा को और सुगम बनाएगी।

15 अगस्त 2027 को चलेगी पहली बुलेट ट्रेन

वंदे भारत के साथ-साथ रेल मंत्री ने देश की पहली बुलेट ट्रेन को लेकर भी बड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 2027 को भारत को अपनी पहली बुलेट ट्रेन मिल जाएगी। वैष्णव ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'आप अभी से बुलेट ट्रेन की टिकट खरीद लीजिए, अगले साल बुलेट ट्रेन भी आ जाएगी।'

पीएम मोदी ने लिया तैयारियों का जायजा

प्रोजेक्ट की प्रगति को लेकर रेल मंत्री ने बताया कि पिछले साल नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद गुजरात दौरे के दौरान मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का निरीक्षण किया था। पीएम मोदी सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पहुंचे थे, जहां उन्होंने काम की बारीकी से जांच की और वहां मौजूद इंजीनियरों व कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया।

रेलमंत्री बोले...पीएम जल्द ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे...

रेलमंत्री वैष्णव ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पीएम मोदी जल्द ही पहली स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा, लंबे समय से नई जनरेशन की ट्रेनों की मांग हो रही थी। वंदे भारत चेयर कार ने भारतीय रेलवे में एक नए युग की शुरुआत की। लोगों को यह बहुत पसंद आने लगी। देश के कोने-कोने से वंदे भारत ट्रेनें चलाने की मांग हो रही है। वंदे भारत स्लीपर में एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और वर्ल्ड-क्लास स्लीपर कोच हैं। वैष्णव ने बताया कि आमतौर पर, गुवाहाटी-हावड़ा रूट पर हवाई किराया 6,000 से 8,000 के बीच होता है। कभी-कभी 10,000 तक भी पहुंच जाता है। वहीं, वंदे भारत स्लीपर में गुवाहाटी से हावड़ा तक थर्ड.ए.ट का किराया 2,300 रखा गया है।

साल के पहले दिन मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब,काशी-मथुरा और अयोध्या में लगी रही लंबी लाइनें

लखनऊ,01 जनवरी 2026। उत्तर प्रदेश में नए साल यानी वर्ष 2026 की पहली सुबह की शुरुआत लोगों ने आस्था व श्रद्धा के साथ की। प्रदेश के अयोध्या,काशी और बांके बिहारी मंदिर समेत कई प्रमुख धार्मिक स्थानों में भोर से ही श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी है। पुरुष, महिलाएं और बच्चे हर कोई कोई फूल-प्रसाद चढ़ाकर अपनी मनोकामनाएं मांगता दिखा। श्रद्धालु नए साल में अपने लिए सुख-शांति, सौहार्द और खुशहाली से भरा जीवन बनाने की प्रार्थना की। देश-दुनिया के लिए आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बनी राम की नगरी अयोध्या में आज नए साल के पहले दिन भक्तों के सैलाब को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। वैसे तो पिछले कई दिनों से यहां लाखों भक्त आ रहे हैं और वे नित्य राम लला के दर्शन कर रहे हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्त कर रहें दर्शन...

नए साल के पहले दिन उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में में देश-विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु आए हुए हैं। यहां काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा के दर्शनों के लिए सुबह से ही भीड़ लगी हुई है। हालांकि स्थानीय प्रशासन को इस भीड़ का पहले से ही अनुमान होने के कारण सभी व्यवस्था बेहतर की गई हैं और यातायात भी परिवर्तित किया गया है। श्रद्धालुओं ने कहा कि नए साल के पहले दिन भगवान विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए हुए हैं।

बांके बिहारी मंदिर में लगी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें

मथुरा जिले के वृंदावन में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में भी नए साल के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। गुरुवार को लाखों श्रद्धालु दर्शन और माथा टेकने मंदिर पहुंचे हैं। इससे मंदिर पहुंचने वाली गलियां भक्तों से पट गई हैं। गोवर्धन पर्वत और श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हालात ऐसे हैं कि प्रशासन को व्यवस्था संभालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

नया साल, नया टैक्स...1 फरवरी से सिगरेट-पान मसाला होंगे महंगे

नई दिल्ली,01 जनवरी 2026। केंद्र सरकार की ओर से सिगरेट पीने वाले और पान मसाला खाने वालों को तगड़ा झटका लगा है। सरकार ने एक फरवरी 2026 से एक्साइज ड्यूटी लगाने का फैसला किया है। इस मामले में एक आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। दिसंबर 2025 में केंद्र ने एक नए कानून 'सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल 2025' को मंजूरी दी थी। एक्साइज ड्यूटी प्रोडक्ट की लंबाई के आधार पर प्रति हजार स्टिक पर 2050 रुपये से 8500 रुपये की रेंज में लगाई जाएगी। यह ड्यूटी मौजूदा टैक्स स्ट्रक्चर के ऊपर अतिरिक्त होगी। सरकार का उद्देश्य तंबाकू उत्पादों पर टैक्स व्यवस्था को और अधिक कड़ा बनाना है। इस फैसले के बाद सिगरेट के दामों में बढ़ोतरी तय मानी जा रही है, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। सरकार का उद्देश्य न केवल राजस्व बढ़ाना है, बल्कि तंबाकू उत्पादों की खपत को हतोत्साहित करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर सख्ती बरतना भी है। सूत्रों के अनुसार, ड्यूटी और सेस उत्पाद बनाने वाली मशीनरी की उत्पादन क्षमता के आधार पर तय होगा। यानी जितनी क्षमता से उत्पादन होगा, उसी हिसाब से टैक्स की दर निर्धारित होगी।

सिगरेट पर 40% लगेगा जीएसटी टैक्स

अधिसूचना के अनुसार, तंबाकू और पान मसाला पर लगाए जाने वाले नए कर (लेवी) लागू जीएसटी दरों के अतिरिक्त होंगे। ये नए प्रावधान मौजूदा जीएसटी मुआवजा उपकर की जगह लेंगे, जो फिलहाल 'सिन प्रोडक्ट्स' पर अलग-अलग दरों पर लगाया जाता है। एक फरवरी से पान मसाला, सिगरेट, तंबाकू और इससे जुड़े अन्य उत्पादों पर जीएसटी के तहत 40 फीसदी टैक्स लगेगा।

भारत जैसे युवा देश के लिए एआई सकारात्मक बदलाव का बड़ा अवसर : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली,01 जनवरी 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज पूरी दुनिया में अर्थव्यवस्था और समाज को नई दिशा दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंच और मानवता की बड़ी चुनौतियों से निपटने के तरीकों को तेजी से बदल रहा है। भारत जैसे युवा देश के लिए एआई केवल तकनीक नहीं बल्कि सकारात्मक बदलाव का बड़ा अवसर है।

राष्ट्रपति गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को भविष्य की एआई प्रवीणता से जोड़ने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जागरूकता अभियान 'स्किल द नेशन चैलेंज' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्चुअल माध्यम से ओडिशा के रायरांगपुर में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय केंद्र और कौशल केंद्र का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण हमेशा से यह रहा है कि तकनीक लोगों को सशक्त बनाए, समावेशी हो और सभी के लिए अवसर पैदा करे। एआई का उपयोग सामाजिक,आर्थिक और तकनीकी खाइयों को पाटने के लिए किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इसके लाभ हर वर्ग, हर उम्र और खासकर हाशिये पर खड़े समुदायों तक पहुंचे।' उन्होंने यह देखकर प्रसन्नता व्यक्त की कि छात्र खुद को संभावनाओं और अवसरों से भरे भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने छात्रों से आग्रह किया कि वे यह याद रखें कि तकनीक, ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की सेवा, समस्याओं के समाधान और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए होना चाहिए।

भारत करे समावेशी तकनीकी भविष्य का निर्माण : राष्ट्रपति मुर्मु

उन्होंने मजबूत राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा के निर्माण में डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसे कौशलों के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि सरकार संस्थानों, उद्योग भागीदारों और शिक्षाविदों के सहयोग से यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि भारत न केवल उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाए बल्कि एक जिम्मेदार और समावेशी तकनीकी भविष्य का निर्माण भी करे। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप देश को ज्ञान महाशक्ति बनाने के लक्ष्य में योगदान देते हुए एक विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान ब्लास्ट,40 की मौत

नई दिल्ली,01 जनवरी 2026। स्विट्जरलैंड के क्रांस मोंटाना शहर के 'अल्पाइन स्की रिसॉर्ट' में गुरुवार को न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान विस्फोट हुआ। न्यूज मीडिया द मिरर ने लोकल मीडिया से हवाले से बताया कि विस्फोट में 40 लोग मारे गए हैं,जबकि 100 से ज्यादा घायल हैं। स्विट्जरलैंड पुलिस ने गुरुवार को स्थानीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें बताया कि विस्फोट कॉन्स्टेलेशन बार में रात 1:30 बजे हुआ। हालांकि मरने वालों की संख्या बताई गई लेकिन पुलिस ने कहा कि कई दर्जन लोगों की मौत की आशंका है, जिनमें कई देशों के नागरिक शामिल हैं। फिलहाल क्रांस-मोंटाना शहर को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक,अस्पताल झुलसे हुए मरीजों से भर गए हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह धमाका और उसके बाद लगी आग शायद एक कॉन्सर्ट के दौरान आतिशबाजी की वजह से हुई हो सकती है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पाकिस्तानी एयर बेस पर बमबारी करने वाले एयर मार्शल नागेश कपूर बने देश के 50वें वायु सेना उप प्रमुख

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाने पर हुए थे सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित

नई दिल्ली,01 जनवरी 2026। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी एयर बेस पर बमबारी करने वाले एयर मार्शल नागेश कपूर को वायु सेना का नया उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। अभी तक दक्षिण पश्चिमी वायु कमान का नेतृत्व करने वाले इस अधिकारी ने गुरुवार को एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी की जगह पदभार संभाल लिया है। उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी और बाद में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एयर मार्शल नागेश कपूर ने दक्षिण पश्चिमी वायु कमान उस समय संभाली थी, जब भारतीय वायु सेना ने पिछले साल 6-10 मई के बीच हुए ऑपरेशन में पाकिस्तानी एयर बेस पर कई हमले किए थे,जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ था। एयर मार्शल कपूर को 06 दिसंबर 1986 को वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन किया गया था। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और नेशनल डिफेंस कॉलेज के छात्र रहे हैं। क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और फाइटर कॉम्बैट लीडर होने के नाते तीन दशकों से ज्यादा के करियर में उनके पास अलग-अलग फाइटर जेट्स उड़ाने का 3400 घंटे से ज़्यादा का अनुभव है। उन्होंने कई फील्ड और निर्देशात्मक नियुक्तियों पर काम किया है। उन्होंने कई तरह के कॉम्बैट और ट्रेनर एयरक्राफ्ट उड़ाए हैं,जिनमें मिग-21 और मिग-29 के सभी वेरिएंट हैं। देश के 50वें वायु सेना उप प्रमुख बने एयर मार्शल को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनकी भूमिका के लिए स्वतंत्रता दिवस 2025 पर सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल,गणतंत्र दिवस 2025 पर परम विशिष्ट सेवा मेडल, 2022 में अति विशिष्ट सेवा मेडल और 2008 में उनकी सेवा के लिए वायु सेना मेडल से सम्मानित किया गया है। दक्षिण पश्चिमी वायु कमान से पहले वे ट्रेनिंग कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के तौर पर काम कर चुके हैं। इससे पहले वे एयर ऑफिसर-इन-चार्ज पर्सनेल और सीनियर एयर स्टाफ ऑफिसर, सेंट्रल एयर कमांड के तौर पर काम कर चुके हैं। एयर ऑफिसर नेशनल डिफेंस एकेडमी,खड़क वासला और एयर फोर्स एकेडमी, डुंडीगुल के पूर्व छात्र हैं। वे डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और नेशनल डिफेंस कॉलेज,नई दिल्ली के भी छात्र रहे हैं। एयर मार्शल कपूर अपने ऑपरेशनल कार्यकाल में सेंट्रल सेक्टर में एक फाइटर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर, वेस्टर्न सेक्टर में एक फ्लाइंग बेस के स्टेशन कमांडर और एक प्रीमियर एयरबेस के एयर ऑफिसर कमांडिंग रहे हैं।

भारत-नेपाल सीमा 3 बांग्लादेशी समेत चार संदिग्ध गिरफ्तार

मोतिहारी,01 जनवरी 2026। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल स्थित भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन बांग्लादेशी नागरिक है। जबकि चौथा युवक इनके सहयोगी भारतीय नागरिक है। जो उन्हें सीमा पार कराने में मदद कर रहा था।

एसएसबी के अधिकारियो के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी,कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में कुछ संदिग्ध लोग मौजूद है,जो सीमा पार करने के फिराक में है। सूचना के आलोक में एसएसबी के जवानों ने संभावित इलाकों की घेराबंदी करते हुए इन चारों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया,और पूछताछ शुरू की गई तो यह सामने आया कि पकड़े गए चार में से तीन बांग्लादेशी नागरिक हैं,जबकि एक भारतीय युवक है। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान मोहम्मद शाहिनुर पिता बिलाल हुसैन, लाशिकपुर चौगछा बांग्लादेश, मोहम्मद सोबुज पिता अब्दुल मुनाफ,उत्तार चारमोगाल चौगछा बांग्लादेश,और मोहम्मद फिरोज,पिता मो. मुजामिल मथबरी मोरेलगंज बगेंहत बांग्लादेश के रूप में की गई है। जबकि सीमा पार में सहयोग करने वाला भारतीय युवक की पहचान मोहम्मद सरफराज अंसारी,पिता एजाज अंसारी,मोहना थाना चनपटिया जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान इनके पास से 2000 भारतीय,33020 नेपाली,1000 बांग्लादेशी रूपये 2 अमेरकी डॉलर,4 मोबाइल व 3 बांग्लादेशी पासपोर्ट मिले है। पूछताछ के बाद सभी को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया गया है।

संपादकीय

आर्थिक मोर्चे पर अच्छी संभावनाएं

आशा है कि सरकार नए साल में विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) समिति की उस रिपोर्ट को अवश्य ध्यान में रखेगी, जिसमें कहा गया है कि भारत को उद्योग-कारोबार के मजबूत विकास के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में तेज सुधारों के साथ निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देना होगा। नए साल में विनिर्माण गतिविधियों को मजबूती मिलने की संभावना है। यह भी उम्मीद है कि आने वाले समय में डालर के मुकाबले रुपया मजबूत होगा और कर सुधार एवं ब्याज दर में कटौती से विकास दर को रफ्तार मिलेगी।

नए साल 2026 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित विभिन्न वैश्विक आर्थिक संगठनों की रिपोर्टों के अनुसार नव वर्ष भारत के लिए बेहतर आर्थिक संभावनाओं वाला होगा। केयर एज रेटिंग्स के अनुसार आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। ऐक्सिस बैंक की रिपोर्ट के अनुसार आगामी वर्ष में भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर पहुंचती दिख सकती है। जहां भारत वर्ष 2025 में 4.18 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिकी बन गया है। नए साल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर आगे बढ़ेगा। वैश्विक निवेश फर्म इन्वेसको का कहना है कि इस साल भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति कायम रखेगा। हालांकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चिताओं के बीच भारत को आर्थिक और वित्तीय सुधारों को गति भी देनी होगी। नए वर्ष में घरेलू बाजार की मजबूती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत आधार बनी रहेगी। इस दौरान भारत का घरेलू बाजार 10 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ेगा और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डालर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। 2026 में महंगाई घटने, टैक्स सुधार और ब्याज दर में कमी से घरेलू बाजार को रफ्तार से बढ़ने के आधार मिलेंगे। रिजर्व बैंक का कहना है कि 2026 में महंगाई में नरमी बनी रहेगी। गत वर्ष जीएसटी की दरों में सुधारों की जो पहल शुरू हुई है,उसके फल इस साल और व्यापक रूप से मिलने शुरू होंगे। नए वर्ष में मनेरगा की जगह लागू वीबी-जी राम जी से भी ग्रामीण रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

एक अप्रैल से लागू किया जाने वाला नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं के बदलाव ही नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था के कायापलट के साथ आर्थिकी को आगे बढ़ाया है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी। इससे मांग बढ़ेगी और निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती का जो सिलसिला शुरू किया,उसके इस साल भी जारी रहने के ही आसार हैं। इससे भी मांग और खपत में तेजी आएगी। वैश्विक वित्तीय सलाहकार फर्म ग्लोबल वेल्थ मैनेजर की नई रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2026 खपत के स्तर में सुधार के मामले में भारत दुनिया का सबसे आकर्षक बाजार होगा। बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर,बुनियादी ढांचा, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति के कारण देश में जीएसटी और इनकम टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि होगी। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर 2025 के बीच जीएसटी संग्रह गत वर्ष की इसी अवधि से बढ़कर 14.75 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी प्रकार मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में बीते हुए वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दिसंबर तक 8.44 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं।

भारत द्वारा ब्रिटेन,ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते इस साल अमल में आएंगे। साथ ही अमेरिका,यूरोपीय संघ,पेरू, चिली,आसियान,मेक्सिको,कनाडा,दक्षिण अफ्रीका,इजरायल,गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए आकार लेते हुए दिखाई देंगे। नए वर्ष में मारीशस, संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई, आस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड,नार्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच हुए एफटीए के लाभ भी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक मिलेंगे। इन सबके साथ-साथ नए वर्ष 2026 में कई और अच्छी आर्थिक संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

वर्ष 2026 में भारतीय शेयर बाजार रफ्तार से आगे बढ़ेगा और बड़ी संख्या में विदेशी निवेशकों का रुझान भारत की ओर बढ़ेगा। एक अप्रैल 2026 से नए श्रम कानून लागू होने से उद्योग-कारोबार व निर्यात बढ़ने का परिदृश्य उभरकर दिखाई देगा। निस्संदेह वर्ष 2026 में भारत के लिए बेहतर आर्थिक संभावनाएं दिखती हैं,लेकिन भारत को अपनी मजबूत आर्थिक गति को बनाए रखने के लिए वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच घरेलू खपत बढ़ाने,रोजगार सृजन और राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण के साथ आर्थिक सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा। इन सुधारों के तहत अगली पीढ़ी के सुधार,जीवन एवं कारोबारी सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार,प्रशासन को सशक्त बनाने और आर्थिकी को मजबूती देने संबंधी सुधार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त,देश को कृषि,बैंकिंग,परिवहन और दूरसंचार,बिजली,परमाणु ऊर्जा,अंतरिक्ष,रक्षा, पेट्रोलियम,कोयला और अन्य खनिज आदि सुधारों को भी गति देना होगा।

आशा है कि सरकार नए साल में विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) समिति की उस रिपोर्ट को अवश्य ध्यान में रखेगी,जिसमें कहा गया है कि भारत को उद्योग-कारोबार के मजबूत विकास के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में तेज सुधारों के साथ निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देना होगा। नए साल में विनिर्माण गतिविधियों को मजबूती मिलने की संभावना है। यह भी उम्मीद है कि आने वाले समय में डालर के मुकाबले रुपया मजबूत होगा और कर सुधार एवं ब्याज दर में कटौती से विकास दर को रफ्तार मिलेगी।

नया कालखंड,नए साल से नई उम्मीदें

नरेंद्र सांवरिया

2025 की विदाई के साथ ही देश उस नए कालखंड में प्रवेश कर रहा है,जब विकसित भारत का लक्ष्य और निकट आ गया है। यह लक्ष्य वास्तव में प्राप्त हो सके,इसके लिए मानसिकता में बदलाव लाना भी आवश्यक है। ऐसा करके ही हम अपनी कार्यसंस्कृति बदल सकेंगे और आने वाले कल की चुनौतियों से पार पा पाएंगे। हम सब मिलकर ऐसा कर सकें,इस आशा के साथ नव वर्ष की

शुभकामनाएं। नव वर्ष का आगमन अनेक अपेक्षाओं के साथ होता है। इस अवसर पर सभी शुभ की कामना करते हैं। हम भारत के लोग तो उस संस्कृति के वारिस हैं, जो प्राणिमात्र के कल्याण की बात करती है और समस्त वसुधा को एक कुटुंब की तरह देखती है,लेकिन सर्वत्र शुभ का संचार होने की चाह के बीच यह भी एक यथार्थ है कि व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र के जीवन में चुनौतियां आती ही रहती हैं। वे इस वर्ष भी आएंगी।इससे अच्छा और कुछ नहीं कि इस नए वर्ष में हम उनका सही तरह सामना करने में समर्थ हों और तेजी के साथ प्रगति के उस पथ पर आगे बढ़ें,जिसमें सुख,समृद्धि के साथ समरसता भी बढ़े। यह तब संभव होगा,जब एक राष्ट्र के रूप में हमारी कार्यसंस्कृति बदलेगी और उन बुनियादी समस्याओं का समाधान होगा,जो प्रगति की राह में रोड़ा हैं।

वैसे तो किसी भी देश की कार्यसंस्कृति बदलने का दायित्व मुख्यतः शासन और प्रशासन में बैठे लोगों का होता है, लेकिन इस काम में जनता का सहयोग भी आवश्यक होता है। विश्व के कई देशों का इतिहास इसकी ही गवाही देता है कि उनका भाग्योदय तब हुआ,जब वहां के शासकों के साथ आम लोगों ने भी अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए समर्पण भाव से काम किया। अब भारत सबसे अधिक जनसंख्या वाला राष्ट्र है। विशाल आबादी और भिन्न पंथ, भाषा वाले देश की प्रगति के लिए शासन-प्रशासन के साथ आम जनता का रुख-रवैया बदले बगैर बात बनने वाली नहीं है। यह समझा जाए कि जैसे शासक का धर्म होता है,वैसे ही नागरिक का भी। विभिन्न समस्याओं को लेकर शासन-प्रशासन के लोगों को उचित ही कठघरे में खड़ा किया जाता है,लेकिन यह प्रश्न प्रायः अनुत्तरित रहता है कि क्या हम भारत के लोग अपने नागरिक धर्म का निर्वाह सही तरह करते हैं? हमें अपने अधिकारों के प्रति सजग होना ही चाहिए, लेकिन क्या हम अपने कर्तव्यों को लेकर भी सचेत रहते हैं? यदि हमारी अनेक समस्याओं का समाधान शासन-प्रशासन की ढिलाई के चलते नहीं हो पाता तो कई समस्याएं इसलिए जटिल बनी रहती हैं कि लोगों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता।

नूतन वर्ष : नए सपने,नई उम्मीदें

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा,भिवानी,हरियाणा

नया वर्ष केवल कैलेंडर की तारीख बदलने का नाम नहीं है। यह हमारे जीवन में एक ठहराव की तरह आता है–जहाँ हम पीछे मुड़कर देखते हैं, वर्तमान को समझते हैं और भविष्य की दिशा तय करते हैं। हर नया साल अपने साथ नई उम्मीदें, नए संकल्प और नई संभावनाएँ लेकर आता है। यह वह क्षण होता है जब मनुष्य अपने भीतर झांकता है और स्वयं से यह प्रश्न करता है कि बीता वर्ष कैसा रहा,मैंने क्या सीखा, क्या खोया और आगे मुझे क्या बनना है। आज की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी में हम अक्सर भागते रहते हैं–लक्ष्यों के पीछे,जिम्मेदारियों के बोझ तले और अपेक्षाओं की दौड़ में। ऐसे में नया वर्ष हमें यह अवसर देता है कि हम थोड़ी देर रुकें,सांस लें और अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करें। यह आत्ममंथन ही नए सपनों की नींव बनता है।

बीता वर्ष : सीखों की पाठशाला

हर बीता वर्ष हमारे लिए एक शिक्षक की तरह होता है। उसमें सुख भी होते हैं, दुःख भी सफलता भी मिलती है और असफलताएँ भी। लेकिन असली प्रश्न यह नहीं कि हमारे साथ क्या हुआ, बल्कि यह है कि हमने उससे क्या सीखा। कई बार हम बीते साल को केवल घटनाओं के आधार पर आंकते हैं–किसे खोया,क्या पाया–पर सीखों को नजरअंदाज कर देते हैं।

बीते वर्ष ने हमें धैर्य सिखाया होगा, किसी ने हमें आत्मनिर्भर बनाया होगा, तो किसी ने रिश्तों की अहमियत समझाई होगी। कुछ अनुभवों ने हमें मजबूत बनाया,तो कुछ ने हमें विनम्र। नया वर्ष तभी सार्थक बनता है जब हम इन सीखों को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं,न कि केवल पुराने दुखों या शिकायतों को ढोते हुए।

नए सपने : दिखावे नहीं,दिशा हो

नए साल की शुरुआत अक्सर बड़े-बड़े संकल्पों से होती है–यह करूंगा,वह बनूंगा,इतना हासिल करूंगा। लेकिन कुछ ही महीनों में ये संकल्प धुंधले पड़ने लगते हैं। इसका कारण यह है कि हमारे सपने कई बार दूसरों की अपेक्षाओं से प्रभावित होते हैं, न कि हमारे वास्तविक मन से निकले होते हैं। सपने वही सार्थक होते हैं जो हमारे मूल्यों से जुड़े हों। जो हमें भीतर से उत्साहित करें, न कि थका दें। नया वर्ष हमें यह सोचने का मौका देता है कि हमारे सपने दिखावे के हैं या दिशा देने वाले। क्या हम वही बनना चाहते हैं जो समाज चाहता है, या वह जो हमारी आत्मा चाहती है?

सपने छोटे भी हो सकते हैं...

जैसे खुद को स्वस्थ रखना, परिवार को समय देना,या खुद के लिए थोड़ा वक्त निकालना। हर सपना बड़ा मंच या बड़ी पहचान नहीं मांगता; कई बार सबसे बड़ा सपना होता है–संतुलित और शांत जीवन।

नई उम्मीदें : बाहरी नहीं,आंतरिक

उम्मीदें अक्सर हम दूसरों से जोड़ लेते हैं–कि कोई बदले, परिस्थितियाँ सुधरें, सिस्टम ठीक हो जाए। लेकिन नया वर्ष हमें यह याद दिलाता है कि सबसे मजबूत उम्मीद वह होती है जो अपने भीतर से जन्म लेती है। जब हमें खुद पर भरोसा होता है, तब हालात चाहे जैसे हों, हम रास्ता निकाल लेते हैं।

आंतरिक उम्मीद का अर्थ है...

यह विश्वास कि मैं बदल सकता/सकती हूँ, मैं सीख सकता/सकती हूँ और मैं बेहतर बन सकता/सकती हूँ। यह उम्मीद हमें निराशा से बाहर निकालती है और असफलता के बाद भी खड़ा होने की ताकत देती है।

खुद से रिश्ता : नए साल की सबसे बड़ी शुरुआत

नए साल में सबसे पहला रिश्ता जिसे सुधारने की ज़रूरत होती है, वह है–खुद से रिश्ता। हम दूसरों की गलतियों को तो तुरंत देख लेते हैं, लेकिन अपनी कमियों से अक्सर बचते रहते हैं। नया वर्ष आत्मस्वीकृति और आत्मसुधार का संतुलन सिखाता है।खुद से ईमानदारी का मतलब यह नहीं कि हम खुद को कठघरे में खड़ा करें, बल्कि यह कि हम अपनी सच्चाई को स्वीकार करें। अपनी सीमाओं को समझें, अपनी क्षमताओं को पहचानें और खुद के प्रति करुणा रखें। जब हम खुद को समझने लगते हैं, तब दुनिया से हमारी अपेक्षाएँ भी यथार्थवादी हो जाती हैं।

रिश्ते : मात्रा नहीं,गुणवत्ता

नया वर्ष रिश्तों पर भी पुनर्विचार का समय होता है। आज के समय में संपर्क बहुत हैं, लेकिन संबंध कम। सोशल मीडिया ने हमें जोड़ा तो है, लेकिन दिलों की दूरी भी बढ़ाई है। नया साल यह सोचने का अवसर देता है कि हमारे जीवन में कौन से रिश्ते हमें ऊर्जा देते हैं और कौन से हमें थका देते हैं।

हर रिश्ते को निभाना ज़रूरी नहीं, लेकिन हर रिश्ते को ईमानदारी से निभाना ज़रूरी है। कुछ रिश्तों को समय देना होता है, कुछ को सीमाएँ और कुछ को सम्मानपूर्वक विदा। नए साल में रिश्तों की सफाई भी उतनी ही ज़रूरी है जितनी अलमारी की।

सफलता की नई परिभाषा

समाज ने सफलता की एक तय परिभाषा बना दी है–पैसा,पद और प्रतिष्ठा। लेकिन नया वर्ष हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या यही सफलता है? क्या वह व्यक्ति असफल है जो शांत है,संतुष्ट है और अपने मूल्यों पर खड़ा है?

सफलता की नई परिभाषा में मानसिक शांति, आत्मसम्मान, स्वास्थ्य और संतुलन भी शामिल होना चाहिए। अगर हम दिन के अंत में चैन से सो पाते हैं, खुद पर गर्व महसूस करते हैं और किसी के साथ अन्याय नहीं करते–तो यह भी सफलता ही है।

असफलता से दोस्ती

नए सपनों के साथ नई असफलताएँ भी आती हैं। लेकिन असफलता से डरना नहीं, उससे सीखना ज़रूरी है। हर असफलता हमें यह बताती है कि कौन सा रास्ता हमारे लिए नहीं है। नया वर्ष हमें यह साहस देता है कि हम फिर से कोशिश करें,बिना खुद को कमतर समझे। जो लोग असफलता से डरते हैं, वे अक्सर प्रयास ही नहीं करते। और जो प्रयास नहीं करते, वे कभी आगे नहीं बढ़ते। नया साल जोखिम लेने और सीखते हुए आगे बढ़ने का नाम है।

समाज और जिम्मेदारी

नया वर्ष केवल व्यक्तिगत बदलाव का समय नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी का भी समय है। हम जिस समाज में रहते हैं, उसकी समस्याओं से हम अछूते नहीं रह सकते। छोटे-छोटे प्रयास–जैसे ईमानदारी, संवेदनशीलता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता–समाज को बेहतर बना सकते हैं।

अगर हर व्यक्ति नए साल में केवल एक अच्छी आदत अपना ले–तो बदलाव अपने आप दिखने लगेगा।

निष्कर्ष : नया साल,नया दृष्टिकोण

नया वर्ष कोई जादुई छड़ी नहीं है जो सब कुछ बदल दे। बदलाव तब आता है जब हम अपने सोचने का तरीका बदलते हैं। नए सपने, नई उम्मीदें तभी सार्थक हैं जब वे हमें बेहतर इंसान बनाएं–ज्यादा संवेदनशील, ज्यादा जिम्मेदार और ज्यादा सच्चा।

आइए, इस नए वर्ष में हम यह संकल्प लें कि हम परिपूर्ण नहीं, लेकिन ईमानदार बनने की कोशिश करेंगे। हम सबसे आगे नहीं, लेकिन सही दिशा में चलने का प्रयास करेंगे। और जब साल के अंत में पीछे मुड़कर देखें, तो गर्व से कह सकें–हाँ,मैंने खुद के साथ ईमानदारी की। यही है नूतन वर्ष का असली अर्थ–नए सपने,नई उम्मीदें और एक बेहतर 'मैं'।

विनम्रता,सहजता के नेपथ्य में ताकतवर,शक्तिशाली भारत की भूमिका

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़,

भारत की सहायता और विनम्रता एवं किसी देश पर पहले से आक्रमण न करने की नीति और सिद्धांत हमारी कमजोरी कतई नहीं है इसके पीछे 141 करोड़ भारतवासियों की बहुत बड़ी शक्ति तथा सामर्थ्य छिपा हुआ है।अब भारत एक ऊर्जावान शक्तिशाली आर्थिक रूप से मजबूत एवं दृढ़ भारत बन चुका है, अब भारत आक्रमण ही रक्षा की नीति को अपना कर आगे अग्रसर हो रहा है। कोई पड़ोसी देश इस मुगालते में न रहे कि भारत विनम्र है इसका मतलब कमजोर नहीं है अब भारत किसी भी आतंकी आतताई के सीमा क्षेत्र में घुसकर आक्रमण कर सकता है और उसे संपूर्ण नष्ट करने की ताकत भी रखता है। भारत की की संस्कृति एतिहासिक काल से विनम्रता, सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए। समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सदुण है जो उसे हर मुसीबत से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सदुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता,संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति अधजल गगरी छलकत जाए की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही...

बड़ा भया तो क्या भया
जैसे पेड़ खजूर,
पंथी को छाया नहीं फल
लागे अति दूर

यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है,क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्व करता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्र शील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा,ना द्वेष,ईर्ष्या ना लोभ ही होता है। सभी सदुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर-उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है अर्थात विनम्र व्यक्ति जीवन में सार्थकता और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विनम्रता तो व्यक्ति को धरातल से लेकर उठाकर हवा की तरह गगन के उस क्षेत्र में ले जाती है जहां वह सर्वोच्च कहे जाने वाले पर्वत से भी ऊंचा पहुंच जाता है। समाज का कुछ वर्ग विनम्रता को व्यक्ति की कमजोरी समझने का मुगालता पाल लेता है और इसी विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्ति का आकार से दमन करने का प्रयास करता है किंतु यह एक सत्य बात है कि सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता ना ही प्राप्त किया जा सकता है,उसी तरह विनम्रता की शक्ति इतनी व्यापक होती है के पर्वत के समान कठोर बाधा भी दूर किसके सामने हो जाती है हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने विनम्रता के साथ ब्रिटिश बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया था। विनम्रता और सहिष्णुता ही है जिसने हमारी भारतीय संस्कृति को हजारों वर्षों से शास्वत बना के रखा है। किसी व्यक्ति समाज और किसी राष्ट्र के लिए विनम्रता सहिष्णुता और विचार शीलता ऐसे महान गुण उसे विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर कर सकते हैं।

भविष्य के भारत को बनाने का समय

गिरीश्वर मिश्र

नए वर्ष में यह अनदेखी नहीं की जा सकती कि सीमाओं पर आतंकी तत्वों की ओर से लगातार चुनौती आती रहती है। ऐसे में सतत चौकसी और सावधानी की जरूरत बनी हुई है। इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं से मिलते संकेत जलवायु-परिवर्तन और तापमान में लगातार वृद्धि जैसे बदलाव पर्यावरणीय संकट की जटिलता को बता रहे हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा और मूल्य दृष्टि प्रकृति के साथ संतुलन और सह-जीवन पर बल देती आई है। गिरीश्वर मिश्र। पिछले एक दशक में भारत की छवि निश्चित रूप से एक सशक्त देश के रूप में निखरी है। नए वर्ष में इस बदलते भारत के भविष्य के बारे में सोचते हुए हमें देश की समृद्ध प्राचीन सभ्यता और आधुनिक राष्ट्र-राज्य की संकल्पना,दोनों को ध्यान में रखना होगा। लोक की स्मृति में अभी भी नैतिक और न्यायपूर्ण शासन के लिए रामराज्य की अमिट छवि कायम है। इसलिए जहां वैश्वीकरण के अनुकूल आकांक्षाओं को ध्यान में रखना होगा,वहीं नैतिकता, सत्य तथा अहिंसा जैसे मानदंडों की भी चिंता करनी है। देश की प्रगति की कथा को देखें तो उसमें निरंतरता और परिवर्तन दोनों के तत्व मिलते हैं।

इस नए वर्ष में हमें संयत होकर यह विचार करना होगा कि विकसित भारत कैसा होगा, क्योंकि भारतीय समाज में अनेक प्रकार की बहुलताएं हैं, जिसे लेकर कुछ विचारक देश की मौलिक एकता को प्रश्नांकित करते हैं। वे भूल जाते हैं कि भारतीय दृष्टि में बहुलता अंतर्निहित मौलिक एकता का ही प्रकटन होती है-एकम् सद् विप्रा बहुधा वदंति। इसी एकता को खोजना पहचानने का उद्देश्य होना चाहिए। पूरे प्राणी जगत में निकटता को आधार बना कर विविधताओं का सह-अस्तित्व और पारस्परिक संवाद इस भारत का मौलिक सोच रहा है। यह अकारण नहीं है कि परिवार या कुटुंब का रूपक हमारे सोच में केंद्रीय है। देश की एकता, देश को अपनाने के भाव और देशप्रेम के लिए भी यह दृष्टि जरूरी है।बीता वर्ष भारत के लिए चुनौतियों भरा रहा। अमेरिकी नीति ने भारत के निर्यात, रुपये की हैसियत,निवेश तथा भुगतान संतुलन आदि को लेकर मुश्किलें खड़ी कर दीं। राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी हितों को आक्रामक ढंग से आगे धकेलने की नीति ने हमारा अहित किया। इसे देखते हुए स्थिति को संभालने के लिए भारत ने कई कदम उठाए गए। जीएसटी की दरें कम की गईं और श्रम कानूनों में बदलाव लाया गया। यह बड़ी उपलब्धि है कि अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितता की विकट परिस्थितियों में भी भारत की जीडीपी की दर विश्व में अव्वल दर्जे की बनी रही। खुदरा महंगाई दर भी आठ साल में सबसे कम रही। अच्छी पैदावार, आपूर्ति श्रृंखला में सुधार, कच्चे तेल की कम कीमतों ने इन परिस्थितियों में मदद की। शेयर बाजार में घरेलू निवेशक हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत बने। आयकर रिटर्न के दाखिलों और कर-संग्रह में भी सुधार हुआ। बिजली, शहरी विकास, खनन, और वित्तीय सेवा के क्षेत्र में नई पहलें की गईं। भारत एक बड़ी वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की राह पर अग्रसर है और अनुमान है कि 2030 तक 7.3 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर जीडीपी के साथ वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सामाजिक संरचना की दृष्टि से देश में मध्यम वर्ग का आकार बढ़ रहा है, जिससे खपत और शहरीकरण में वृद्धि और गरीबी में कमी के आसार बन रहे हैं। देश में बुनियादी ढांचा विस्तृत हो रहा है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

नए साल का जश्न...सुरक्षा इंतजाम और मंदिर परिसर में आग की घटना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

2026 का नया साल सरगुजा के लोगों के लिए आस्था,उमंग,और उत्साह के साथ आया। रात के 12 बजते ही शहरभर में लोगों ने एक-दूसरे को हैप्पी न्यू ईयर कहकर और गले मिलकर नए साल का स्वागत किया। इस मौके पर म्यूजिक सिस्टम की धुन पर लोग नाचे,और केक काटकर खुशियों का इजहार किया। नए साल के पहले दिन,लोगों ने पूजा-अर्चना से शुरुआत की और इसके बाद पार्कों और पिकनिक स्पॉट्स पर अपने परिवार के साथ समय बिताया। साल के पहले दिन शहर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। खासतौर से मां महामाया मंदिर में भक्तों का जमावड़ा लगा। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। लेकिन इस दौरान एक अप्रिय घटना घटी। जब मंदिर परिसर में श्रद्धालु पूजा कर रहे थे, तभी अचानक आग लग गई। आग ने थोड़ी देर के लिए मंदिर परिसर में अफरातफरी मचाई, लेकिन स्थानीय प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने तत्काल प्रभाव से आग पर काबू पा लिया और किसी बड़े हादसे से बचाव किया।

पार्कों और पिकनिक प्वाईंट पर उमड़ी भीड़

नए साल के पहले दिन शहर के संजय पार्क, वाटर पार्क और अन्य पिकनिक स्पॉट्स जैसे मैनपाट के टाइगर प्वाइंट,दलदली, घाघीटिकरा,बूढ़ाआमा,घुनघुट्टा डेम,सेदम आदि पर भी रौनक छाई रही। इन जगहों पर बच्चों ने झूलों का आनंद लिया, तो वहीं युवाओं ने दोस्तों के साथ सेल्फी ली और मस्ती की। कई परिवारों ने पिकनिक का आनंद लिया और दिनभर खुशी-खुशी समय बिताया। अधिकांश लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ नजर आए, और सभी ने नए साल का स्वागत सैर-सपाटे और संकल्प के साथ किया।

रात से ही थी उत्सव की तैयारी

31 दिसंबर की रात से ही शहर में नए साल के जश्न की तैयारी शुरू हो गई थी। लोगों ने रात के 12 बजते ही पटाखों की आवाज से शहर को गुंजायमान कर दिया। गल्ली-मोहल्लों में डीजे और म्यूजिक सिस्टम की धुन पर लोग थिरकते हुए नजर आए। संजय पार्क और वाटर पार्क में युवाओं की भारी भीड़ रही,जहां वे सेल्फी लेते हुए और दोस्तों के साथ मस्ती करते हुए नए साल का जश्न मना रहे थे। पार्क में बच्चों की किलकारियों से माहौल और भी खुशनुमा हो गया।

कड़े सुरक्षा इंतजाम

नए साल के जश्न को देखते हुए सरगुजा पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। 31 दिसंबर की रात से ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और पार्कों में पुलिस बल तैनात किया गया था। नए साल के पहले दिन भी धार्मिक स्थलों,पिकनिक स्पॉट्स और प्रमुख इलाकों में पुलिस सुरक्षा बनी रही,ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। पुलिस द्वारा की गई यह व्यवस्था शहरवासियों के लिए सुरक्षा का अहसास दिलाने में सफल रही।

एनएचएम संविदा भर्ती : 134 पदों हेतु 5505 आवेदन,प्रारंभिक जांच पूर्ण

दावा-आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि 05 जनवरी तक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत सरगुजा जिले में स्वीकृत संविदा पदों पर भर्ती की प्रक्रिया निरंतर प्रगति पर है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत जिले में 34 विभिन्न श्रेणियों के कुल 134 पदों हेतु 5505 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी आवेदन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक जांच एवं सूचीकरण की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। आवेदनों के विश्लेषण से यह तथ्य सामने आया है कि नर्सिंग एवं सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़े पदों में अत्यधिक प्रतिस्पर्धा रही है। स्टाफ नर्स के 10 पदों के लिए 1058 आवेदन, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 35 पदों हेतु 900 आवेदन तथा नर्सिंग ऑफिसर के 7 पदों के लिए 889 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके विपरीत कुछ तकनीकी पदों के लिए सीमित आवेदन प्राप्त हुए हैं। फिजियोथेरेपिस्ट के 4 पदों के लिए मात्र 2 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वहीं मेडिकल ऑफिसर आयुष (पुरुष) के 2 पदों के लिए 10 आवेदन तथा टीबी हेल्थ विजिटर एवं ओटी टेक्नीशियन जैसे पदों के लिए भी अपेक्षाकृत कम आवेदन आए हैं।

डेंटल स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित पदों के प्रति भी अभ्यर्थियों की अच्छी रुचि देखने को मिली है। डेंटल सर्जन के 3 पदों के लिए 52 आवेदन, डेंटल सर्जन के 1 पद के लिए 40 आवेदन तथा डेंटल असिस्टेंट के 1 पद के लिए 25 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन पदों की पूर्ति से जिले में शासकीय दंत चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ आधार मिलेगा। चयन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक पद के

विरुद्ध अधिकतम 10 पात्र अभ्यर्थियों को ही कौशल परीक्षा के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके पश्चात कौशल परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन के आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा, जिससे योग्य एवं अनुभवी मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

अनुभव संबंधी प्रावधानों के तहत यह स्पष्ट किया गया है कि केवल शासकीय संस्थानों में संबंधित पद पर किया गया कार्य अनुभव ही मान्य होगा। निजी संस्थानों में प्राप्त अनुभव अथवा मानदेय रहित/निःशुल्क रूप से किए गए शासकीय कार्यों का अनुभव मान्य नहीं किया जाएगा। सभी अनुभव प्रमाण पत्रों का विधिवत परीक्षण एवं सत्यापन किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत दावा-आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि 05 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी अपनी आवेदन स्थिति, पात्रता विवरण एवं दावा-आपत्ति से संबंधित जानकारी एनआईसी पोर्टल पर देख सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात किसी भी प्रकार का दावा अथवा आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

कलेक्टर अजीत वसंत ने शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय में बच्चों के साथ मनाया नव वर्ष

व्यवस्थाओं का लिया जायजा,अधिकारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने दिए निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने वर्ष का पहला दिन शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय में बच्चों के साथ मनाया। उन्होंने गुरुवार को अम्बिकापुर में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बौद्धिक मंदता बालिकाओं के विशेष विद्यालय पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की तथा कुशलक्षेम जाना। कलेक्टर श्री वसंत ने विद्यालय में क्लास रूम, शयन कक्ष, रसोई का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को बच्चों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने, मेन्यू अनुसार गुणवत्ता युक्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने स्थापना, बजट, स्टाफ की उपलब्धता, शासन द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में विस्तृत

जानकारी ली। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं ताकि वो अपने दैनिक कार्य स्वयं कर सकने में सक्षम हों। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि आवासीय विद्यालय में 50 की क्षमता है, वर्तमान में 24 बच्चियां हैं।कलेक्टर श्री वसंत ने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक को निर्देशित किया कि जिले के अन्य दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय भेजने प्रेरित करें। उन्होंने विद्यालय में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने उप संचालक समाज कल्याण को निर्देशित किया।

लकरालता की दुर्गम पहाड़ियों में शव ले जाने की विकट स्थिति,सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के भारतपुर-लकरालता की दुर्गम पहाड़ियों में एक बार फिर मानव पीड़ा की दुखद तस्वीर सामने आई है। 29 दिसंबर को लापता हुए सुरेन्द्र तिर्की का शव 31 दिसंबर को लकरालता (चीनीपानी) तालाब में मिला। परिजनों के अनुसार, सुरेन्द्र मछली पकडने के लिए तालाब गया था, और इसी दौरान पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। हालांकि, शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए उसे अस्पताल तक पहुंचाने में परिवार को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जिसे लेकर अब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सुरेन्द्र तिर्की का शव मिलते ही पुलिस ने मर्ग पंचनामा की कार्रवाई पूरी की, लेकिन असली संकट शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीतापुर तक पहुंचाने में आया। भारतपुर पंचायत तक सडक़ बनी हुई है, लेकिन लकरालता टोला तक सडक़ नहीं होने के कारण शव वाहन वहां नहीं पहुंच सका। इसके परिणामस्वरूप, परिजनों को ग्रामीणों की मदद से शव को खाट पर रखकर करीब 5 किमी पैदल चलकर भारतपुर तक लाना पड़ा। यहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए सीतापुर शव वाहन से भेजा गया। यहां तक कि पोस्टमार्टम के बाद भी शव को घर ले जाने में वही परेशानी सामने आई। बिना एंबुलेंस और सडक़ के अभाव में परिजनों को खाट पर शव ढोने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वीडियो में एक व्यक्ति शव को खाट पर रखकर पहाड़ी रास्ते से लेकर जा रहा है, जिससे इलाके की बदहाल स्थिति को उजागर किया जा रहा है।

लकरालता में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

लकरालता टोला पहाड़ी पर बसा हुआ है, जो कि कच्ची सडक़ से जुड़ा हुआ है। इस इलाके में 14 से 15 परिवार रहते हैं, और सडक़ की भारी कमी के कारण यहां वाहनों का प्रवेश नहीं हो पाता। खासकर बीमार पडऩे या किसी का शव ले जाने की स्थिति में स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोग या तो पैदल यात्रा करने के लिए मजबूर होते हैं या फिर खाट पर शव को ढोने जैसी विकट स्थिति से गुजरते हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की प्रतिक्रिया

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने एक बयान जारी किया। कांग्रेस ने कहा कि यह स्थिति इस बात की पुष्टि करती है कि छत्तीसगढ़ में लोगों को बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। पार्टी ने ट्वीट किया, 'यह है तथाकथित चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की सच्चाई। छत्तीसगढ़ में लोग एंबुलेंस के अभाव में चारपाई पर अपनों की देह ले जाने को मजबूर हैं। यह कोई अपवाद नहीं, यह मोदी सरकार के विकास के खोखले दावों की जमीनी हकीकत है। '

सडक़ निर्माण की स्वीकृति और भूमिपूजन

हालांकि,इस इलाके में सडक़ निर्माण की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है, और इसका भूमिपूजन भी किया जा चुका है। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सडक़ का निर्माण जल्द ही शुरू होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्रीय निवासियों की समस्या का समाधान होगा और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कलकत्ता के कारीगरों ने सजाया भव्य दरबार...

श्याम रसोई और बाबा के खजाने को लेकर उत्साह...

20 हजार वर्गफूट के टेनसाईल डोम में बाबा श्याम का भव्य संकीर्तन महोत्सव आज

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

श्री श्याम सेवा समिति सूरजपुर के द्वारा बाबा श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन आज 2 जनवरी को रंगमंच के 20 हजार स्क्वायर फीट के टेनसाईल डोम में भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की तैयारियों को लेकर समिति के द्वारा भव्य स्वरूप प्रदान करने के साथ श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य आयोजन में श्री श्याम गुणगान शीतला पाण्डेय दिल्ली, पूजा नथानी कलकत्ता तथा अनमोल-शुभम कलकत्ता की जोड़ी विशेष रूप से बाबा श्याम की अलख जगाएंगे। श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव के द्वितीय संस्करण में रंगमंच मैदान में नगर पालिका के टेनसाईल डोम के नीचे विशेष रूप से बाबा का खजाना के रूप में भी एक ड्रा का भी आयोजन किया गया है। इसके साथ ही बाबा का अलौकिक श्रृगांर, इत्र वर्षा व श्याम रसोई के साथ बाबा के महोत्सव को लेकर अभी से ही वातावरण धार्मिक हो गया है। आयोजन के दिन पूरा नगर बाबा श्याम की भक्ति से सराबोर रहेगा। आज दो जनवरी का श्याम प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार था और आयोजन समिति के उजार्वान भक्तों के द्वारा सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

बाबा के दरबार को विशेष रूप से फूलों से सजाने के लिए कलकत्ता के दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा के आकर्षक दरबार को मूर्तरूप देने में जुटे हैं। वहीं श्याम संकीर्तन में पप्पू महाराज के पावन सानिध्य में राहुल अग्रवाल शीश सेवा प्रदान करेंगे तथा ख्याति प्राप्त भजन गायकों के द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर एक महीने से चल रही व्यवस्थाओं के बीच आयोजन को सफल बनाने में सुनील अग्रवाल, पप्पल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अमित रोहिल्ला, पवन अग्रवाल, रोहित गर्ग, रूपेश मित्तल, रवि अग्रवाल, राकेश बंसल, प्रियांशु जैन, सचिन अग्रवाल, रवि पाण्डेय, विक्की कुमार, राहुल पाण्डेय, सुमित रोहिल्ला, प्रियांश मित्तल, सचिन अग्रवाल, अंश मित्तल, आशीष, यश अग्रवाल, प्रणव अग्रवाल सहित श्री श्याम सेवा समिति के सदस्य व आयोजन से जुड़े श्याम प्रेमी श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव की तैयारियों में जी-जान से जुटी है।

38.07 लीटर अवैध देशी मदिरा जब्त

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी श्री एस.एन. साहू के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के भंडारण एवं परिवहन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

इसी कड़ी में आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए अवैध अंग्रेजी शराब जब्त किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया है कि चौकी रघुनाथनगर के अंतर्गत ग्राम जोरही,श्री संदीप कुमार के पास से उत्तरप्रदेश राज्य के बिक्री के बियर - 6.5 लीटर, विदेशी मदिरा - 2.37 लीटर, देशी मदिरा - 4.2 लीटर, महुआ शराब - 25 लीटर, कुल मात्रा - 38.07 लीटर मदिरा जब्त किया गया। उक्त आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अपराध प्रकरण कायम कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस दौरान आबकारी उपनिरीक्षक चन्द्रदीप भगत,आबकारी मुख्य आरक्षक गिरजा शंकर शुक्ला सहित टीम मौजूद रही। जिला आबकारी अधिकारी श्री साहू ने बताया है अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन तथा सार्वजनिक जगहों पर मदिरापान और राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों के किनारे संचालित होटल, ढाबा में शराब रखने, पीने एवं पिलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। साथ ही आबकारी अधिकारी ने बताया है कि अवैध मदिरा के संबंध में आबकारी नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर 07831-299241 एवं टोल फ्री नम्बर 14405 पर सूचित किया जा सकता है।

दुकानों के आबंटन हेतु शील्ड ऑफर आमंत्रित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के स्वामित्व की गांधी स्टेडियम के समीप पूर्व में संचालित अग्निशामक केन्द्र में भूतल पर बनी दुकानों का आबंटन निर्धारित प्रीमियम तथा मासिक किराये पर किये जाने हेतु शील्ड ऑफर आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक स्पीड पोस्ट या पंजीकृत डाक द्वारा 15 जनवरी 2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक निर्धारित प्रारूप में शील्ड ऑफर आमंत्रित किए गए हैं। प्राप्त ऑफर 15 जनवरी 2026 को उपस्थित ऑफरदाताओं के समक्ष अपरान्ह 04:30 बजे खोले जायेंगे। 13 जनवरी 2026 तक ऑफर प्रपत्र का निर्धारित शुल्क भुगतान उपरान्त निगम के राजस्व कार्यालय केदारपुर स्थित प्रशासनिक भवन के राजस्व शाखा से ऑफर प्रपत्र प्राप्त किये जा सकते हैं। ऑफर प्रपत्र के साथ निगम का कोई बकाया नहीं प्रमाण-पत्र एवं जमा अमानत राशि बैंक ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक,जो आयुक्त नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के पक्ष में देय हो संलग्न करना अनिवार्य होगा। अपूर्ण एवं बिना अमानत राशि जमा किये तथा निर्धारित तिथि एवं समय अवधि समाप्ति के पश्चात तथा निर्धारित प्रीमियम से कम प्रीमियम राशि का कोई भी ऑफर स्वीकार्य नहीं किया जायेगा। प्राप्त ऑफर को किसी भी स्तर पर स्थगित करने या स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार आयुक्त/महापौर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के पास सुरक्षित होगा।

अज्ञात युवक की मिली लाश

ठंड से मौत की आशंका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

एक अज्ञात व्यक्ति की लाश श्रीगढ़ में मिली है। उम्र लगभग 40 वर्ष बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के श्रीगढ़ में लगभग 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की गुरुवार की सुबह पैरावट में मिली है। उसका शरीर अकड़ा हुआ था। शरीर पर गर्म कपड़े नहीं थे। आशंका व्यक्ति की जा रही है कि पूरी रात खुले में रहने व शरीर पर गर्म कपड़े न होने के कारण उसकी मौत हुई होगी। फिलहाल कोतवाली पुलिस शव को मरच्यूरी में रखवाकर परिजन का इंतेजार कर रही है।

कीटनाशक सेवन कर महिला ने दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

ग्राम बकनाकला में एक महिला अज्ञात कारण से बुधवार की रात कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कमला पति सदल गोंड़ उम्र 46 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम बकनाकला की रहने वाली थी। वह बुधवार की रात अज्ञात कारण से

कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नववर्ष 2026: नई ऊर्जा,नई उम्मीद-कलेक्टर श्री कटारा की जिलेवासियों को शुभकामनाएं...

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

जिले के कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने नववर्ष के अवसर पर समस्त जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया वर्ष नई उम्मीदों, संकल्पों और संभावनाओं का प्रतीक है। आइए हम सब मिलकर जिले को और अधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं समृद्ध बनाने का संकल्प लें। कलेक्टर ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन, सड़क सुरक्षा को

प्राथमिकता देने तथा मदिरापान से दूर रहकर सुरक्षित वातावरण में नववर्ष मनाने की अपील की।

नववर्ष 2026 का पहला दिन उत्साह, आस्था और पर्यटन के नाम

मंदिरों से लेकर जलप्रपातों तक उमड़ा जनसैलाब,कोरिया-एमसीबी में शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण आगाल

- **मंदिरों से जलप्रपातों तक,शांति और उत्साह के साथ शुरू हुआ 2026**
- **कोरिया-एमसीबी में नववर्ष का पहला दिन आस्था,वनभोज और पर्यटन के नाम**

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/मनेंद्रगढ़,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

साल 2026 का प्रथम दिवस जिले भर में अलग-अलग रंगों में मनाया गया,कहीं लोगों ने मंदिरों में माथा टेककर वर्ष की शुरुआत की,तो कहीं शुभकामना संदेशों का आदान-प्रदान हुआ,बड़ी संख्या में लोगों ने इस दिन को अवकाश और पारिवारिक आनंद के रूप में मनाते हुए पर्यटन स्थलों का रुख किया,अंग्रेज़ी शब्द पिकनिक भले ही प्रचलन में हो, लेकिन वनांचल में यह दिन पारंपरिक वनभोज के रूप में मनाया गया,खास बात यह रही कि वर्ष का पहला दिन पूरे जिले के लिए पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा,कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली, प्रशासन की मुस्तैदी और लोगों की शालीनता ने नए साल की शुरुआत को यादगार बना दिया। बता दे की नववर्ष 2026 का प्रथम दिवस कोरिया और एमसीबी जिलों के लिए केवल कैलेंडर बदलने का क्षण नहीं था, बल्कि यह सामूहिक व्यवहार और सामाजिक परिपक्वता की परीक्षा भी था, जिसमें समाज पूरी तरह खरा उतरा,मंदिरों में पूजा-अर्चना से लेकर जलप्रपातों और वनांचल के पर्यटन स्थलों पर उमड़े जनसैलाब तक,हर दृश्य यह बता रहा था कि लोग उत्सव मनाना भी जानते हैं और मर्यादा निभाना भी,आमतौर पर नए साल के पहले दिन को लेकर प्रशासन की चिंता रहती है, हुड़दंग,दुर्घटनाएँ और अव्यवस्था, लेकिन इस बार का संदेश अलग था, प्रशासन की सजग व्यवस्था और नागरिकों के अनुशासित व्यवहार ने यह सिद्ध कर दिया कि खुशी और संयम साथ-साथ चल सकते हैं, कहीं से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना की खबर न आना, अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है, पर्यटन स्थलों पर दिखी भीड़ ने यह भी रेखांकित किया कि वनांचल के जलप्रपात, नदी-तट और पहाड़ियाँ अब सिर्फ स्थानीय आकर्षण नहीं रहे, बल्कि क्षेत्रीय पर्यटन की रीढ़ बनते जा रहे हैं,अमृतधारा,रामदहा,झुमका बांध,गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान जैसे स्थलों ने साबित किया कि यदि प्रकृति को सुरक्षित रखा जाए और बुनियादी सुविधाएँ दी जाएँ, तो स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है,यह दिन एक और महत्वपूर्ण संदेश भी देता है,वनभोज केवल मनोरंजन नहीं,बल्कि प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का उत्सव है। लेकिन भीड़ के साथ जिम्मेदारी भी आती है,प्लास्टिक कचरा, जलस्रोतों की सुरक्षा और जंगलों की स्वच्छता ऐसे मुद्दे हैं,जिन पर आने वाले दिनों में और गंभीरता दिखाने की जरूरत है, नववर्ष का पहला दिन यह याद दिलाकर गया कि विकास और आनंद तभी टिकाऊ होते हैं,जब वे अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ मनाए जाएँ,अगर वर्ष की शुरुआत ऐसी हो, तो उम्मीद की जा सकती है कि 2026 पूरे साल संतुलन, सौहार्द और सकारात्मकता का संदेश देगा।

जलप्रपातों और पर्यटन स्थलों पर उमड़ा जनसैलाब-

नए साल के पहले दिन कोरिया और एमसीबी जिले के प्राकृतिक पर्यटन स्थल आकर्षण का केंद्र बने रहे। दूधिया जलधाराएं, घने जंगल और ठंडी फिज़ा के बीच लोगों ने परिवार और मित्रों संग समय बिताया।

अमृतधारा जलप्रपात पर भारी भीड़-

एमसीबी जिले का प्रसिद्ध अमृतधारा जलप्रपात सैलानियों की पहली पसंद रहा। सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, स्थानीय लोगों के साथ-साथ मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से आए पर्यटकों ने भी जलप्रपात की सुंदरता का आनंद लिया।

झुमका बांध बना युवाओं का हॉटस्पॉट-

बैकुंठपुर स्थित झुमका बोट क्लब में नौका विहार के साथ-साथ बनाए गए आइलैंड और सेल्फी पॉइंट्स पर युवाओं की खासी भीड़ रही। पूरा क्षेत्र दिनभर गुलजार रहा।

गौरघाट और नीलकंठ जलप्रपात

गौरघाट जलप्रपात और नीलकंठ जलप्रपात में भी स्थानीय और बाहर से आए पिकनिक मनाने वालों की भीड़ देखने को मिली। गौरघाट में पूर्व की दुर्घटनाओं को देखते हुए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम,पुलिस रही अलर्ट

भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड में रहा, शराब पीकर वाहन चलाने वालों और हुड़दंगियों पर कड़ी नज़र, जलप्रपातों के खतरनाक हिस्सों में बैरिकेडिंग,संवेदनशील बिंदुओं पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती,इन व्यवस्थाओं का असर यह रहा कि दिनभर कहीं भी अव्यवस्था या दुर्घटना की खबर नहीं आई।

इन स्थलों पर भी दिखा खास आकर्षण

- **सिद्ध बाबा पहाड़ी** - धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति का आनंद
- **गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान** - बालमगढ़ी ईको-टूरिज्म स्पॉट पर प्रकृति प्रेमियों का जमावड़ा
- **चुल जलप्रपात और रॉक्सगंडा जलप्रपात** - युवाओं और परिवारों की मस्ती
- **सोनहत की वादियां** - गौरव पथ और पहाड़ियों पर सेल्फी का क्रेज़
- **सरहद पर प्रकृति का मेला : जनकपुर क्षेत्र रहा खास-** छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित जनकपुर क्षेत्र में नए साल का जोरदार स्वागत हुआ।

रामदहा जलप्रपात

करीब 70 फीट ऊंचे इस जलप्रपात पर एमसीबी के साथ-साथ सीधी, शहडोल और रीवा (मध्य प्रदेश) से भी बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचे।

बनास नदी का तट

रेतीले तटों पर जगह-जगह वनभोज के चूल्हे जलते दिखे, कोटाडोल और सीतामढ़ी हरचौका जैसे धार्मिक- ऐतिहासिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही।

गढ़ पहाड़ में भीड़, पूर्व विधायक ने की पूजा

गढ़ पहाड़ स्थित गढ़ा देवी मंदिर में भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली और उन्नति की कामना की तथा उपस्थित लोगों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

स्थानीय व्यापार में आई तेजी

पर्यटकों की भारी आमद से स्थानीय व्यापारियों के चेहरे खिल उठे। ढाबे, होटल, चाय-नाश्ते की दुकानें, टैक्सी और ऑटो चालकों को अच्छा व्यवसाय मिला। स्थानीय फल विक्रेताओं और हस्तशिल्प बेचने वालों की भी बिक्री में खासा इजाफा हुआ।

सूरजपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का हुआ आगाज

हर व्यक्ति की जान कीमती...हेलमेट रैली और जागरूकता रथ को दिखाया गया हरी झंडी

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने और दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट के अनिवार्य उपयोग के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सूरजपुर में गुरुवार 1 जनवरी 2026 को सड़क सुरक्षा माह का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही, शुभारंभ अवसर पर स्कूली छात्राओं द्वारा हेलमेट जागरूकता रैली एवं यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, इसके बाद कलेक्टर और डीआईजी/एसएसपी ने स्वयं पुलिस जवानों के साथ बाइक चलाते हुए शहर में हेलमेट जागरूकता रैली निकालकर नागरिकों को सशक्त संदेश दिया, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का यह शुभारंभ एक स्पष्ट संदेश दे गया, सड़क सुरक्षा सिर्फ प्रशासन की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है, यदि नियमों का पालन ईमानदारी से किया जाए, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोका जा सकता है।

बाइक चलाते वक्त हेलमेट ज़रूर पहनें : कलेक्टर एस. जयवर्धन

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने कहा कि यातायात नियम केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि सुरक्षित और व्यवस्थित जीवन की आवश्यकता हैं, उन्होंने कहा हर व्यक्ति की जान बेहद कीमती है, बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग ज़रूर करें। आपकी जागरूकता ही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में सबसे बड़ा सहयोग है, उन्होंने अपील की कि नागरिक स्वयं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यातायात नियमों का पालन करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

गाड़ी चलाते समय सोचें...घर पर कोई आपका इंतज़ार कर रहा है : डीआईजी/एसएसपी

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 से 31 जनवरी 2026 तक मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य लोगों को सावधानीपूर्वक वाहन चलाने, नियमों का पालन करने और अपने जीवन की सुरक्षा के प्रति सजग करना है, उन्होंने बताया कि जिले में 4372 यातायात जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 7 लाख लोगों को जागरूक किया गया, वर्ष 2024 में 435 सड़क दुर्घटनाएँ हुई, जबकि 2025 में 428 दुर्घटनाएँ हुई, वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में 4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, डीआईजी/एसएसपी ने कहा जिंदगी आपकी खुद की है, वाहन चलाते समय यह ज़रूर सोचें कि घर पर कोई आपका इंतज़ार कर रहा है, उन्होंने 'राहवीर योजना' का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाकर कोई भी व्यक्ति जीवन रक्षक बन सकता है।

नियमों के उल्लंघन पर सख्ती-

डीआईजी/एसएसपी ने बताया कि वर्ष 2025 में 38309 मामलों में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई, 1 करोड़ 46 लाख रुपये से अधिक समन शुल्क, 801 मामलों में शराब पीकर वाहन चलाने पर 77 लाख रुपये का न्यायालयीन जुर्माना लगाया गया

पुलिस जवानों के लिए अनिवार्य हेलमेट

नए वर्ष से पुलिस विभाग में भी सख्ती दिखाई गई,डीआईजी/एसएसपी ने निर्देश दिए कि सभी पुलिस अधिकारी एवं जवान बाइक चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनेंगे,बिना हेलमेट पाए जाने पर संबंधित कर्मी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी,उन्होंने कहा खुद सुरक्षित रहें, दूसरों को सुरक्षित रखें, यही पुलिस की पहली जिम्मेदारी है।

अन्य वक्ताओं ने भी रखा विचार

जिला रेड क्रॉस सोसायटी के वाइस चेयरमैन ओंकार पाण्डेय ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का बड़ा कारण बिना हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग है,वरिष्ठ अधिवक्ता गिरजा शंकर मिश्रा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समाज के हर वर्ग को जिम्मेदारी निभानी होगी।

उपस्थित अधिकारी

कार्यक्रम में एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, थाना प्रभारी विमलेश दुबे,यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय,पुलिस अधिकारी-कर्मचारी,छात्र-छात्राएँ एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे,मंच संचालन आरक्षक शशिकांत मिश्रा द्वारा किया गया।

निजी मोबाइल में दबावपूर्वक एप डाउनलोड कराना शिक्षकों की निजता का हनन : यादवेन्द्र दुबे

साइबर क्राइम,डाटा लीक और एआई दुरुपयोग की स्थिति में जिम्मेदारी तय करे शिक्षा विभाग

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय विद्यालयों में एक के बाद एक लागू किए जा रहे डिजिटल प्रयोग अब गंभीर सवालों के घेरे में आने लगे हैं। बिना पर्याप्त तैयारी, बुनियादी संसाधनों और स्पष्ट जवाबदेही के शिक्षकों पर नई-नई व्यवस्थाएँ थोपे जाने से असंतोष गहराता जा रहा है,ताज़ा मामला शिक्षकों के निजी मोबाइल फोन में दबावपूर्वक ई-अटेंडेंस एप डाउनलोड कराने का है,जिसे लेकर शालेय शिक्षक संघ, सूरजपुर ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है,संघ का कहना है कि यह न केवल शिक्षकों पर अनावश्यक प्रशासनिक दबाव है,बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त निजता के अधिकार का भी सीधा उल्लंघन है।

निजी मोबाइल कोई शासकीय उपकरण नहीं : यादवेन्द्र दुबे

शालेय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यादवेन्द्र दुबे ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी मोबाइल ऐप को इंस्टॉल करने के लिए कैमरा,लोकेशन,स्टोरेज और डाटा जैसी संवेदनशील अनुमतियाँ देनी पड़ती हैं, ऐसे में शिक्षकों के निजी मोबाइल में जबरन एप डाउनलोड कराना उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक डाटा को जोखिम में डालता है। आज के दौर में एआई, डीपफेक,डाटा लीक और साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं–इस स्थिति में यह निर्णय शिक्षकों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है,उन्होंने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से मांग की कि निजी मोबाइल के माध्यम से ई-अटेंडेंस व्यवस्था को तत्काल निरस्त किया जाए।

साइबर सुरक्षा पर बड़ा सवाल : जिम्मेदारी किसकी?

संघ ने सवाल उठाया कि यदि भविष्य में एप के माध्यम से डाटा लीक,साइबर अपराध या एआई दुरुपयोग की कोई घटना होती है,तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी,शिक्षक की या विभाग की? अब तक विभाग की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्ट नीति या सुरक्षा गारंटी सामने नहीं आई है।

क्या विभाग को अपने ही तंत्र पर भरोसा नहीं?: गौतम शर्मा

शालेय शिक्षक संघ के जिला सचिव गौतम शर्मा ने कहा कि जब विभाग के पास संस्था प्रमुख, सीएसी, संकुल प्राचार्य,बीआरसी,एबीईओ और बीईओ जैसे

पदस्थ अधिकारी मौजूद हैं,तो फिर ऐप के जरिए निगरानी की आवश्यकता क्यों महसूस की जा रही है? उन्होंने इसे विभागीय व्यवस्था और प्रशासनिक विश्वास पर गंभीर प्रश्नचिन्ह बताया।

वनांचल क्षेत्रों में नेटवर्क ही नहीं, एप कैसे चलेगा? : गौतम शर्मा ने यह भी रेखांकित किया कि जिले के अनेक वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में आज भी मोबाइल नेटवर्क और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं, यहां तक कि शहरी क्षेत्रों में भी नेटवर्क फेल और सर्वर डाउन की समस्या आम है, ऐसी स्थिति में मोबाइल नेटवर्क आधारित उपस्थिति प्रणाली अव्यावहारिक, भेदभावपूर्ण और अनुचित है, जिससे शिक्षकों पर बेवजह दबाव बनाया जा रहा है।

निजी संपत्ति पर दबाव...निजता का उल्लंघन : संघ का कहना है कि मोबाइल शिक्षक की निजी संपत्ति है, जिसमें परिवार से जुड़े निजी फोटो,बैंकिंग विवरण और संवेदनशील जानकारियाँ होती हैं, किसी भी परिस्थिति में निजी संपत्ति पर दबाव बनाकर एप डाउनलोड कराना निजता के अधिकार का खुला उल्लंघन है।

पढ़ाने के बजाय ऑनलाइन औपचारिकताओं में उलझ रहे शिक्षक : शिक्षक संघ ने चिंता जताई कि एक ओर शिक्षा गुणवत्ता सुधार की बात की जा रही है,वहीं दूसरी ओर शिक्षकों पर गैर-शैक्षणिक और ऑनलाइन औपचारिकताओं का बोझ बढ़ाकर उन्हें उनके मूल दायित्व–पढ़ाने से दूर किया जा रहा है।

संघ की स्पष्ट मांग शालेय शिक्षक संघ, सूरजपुर ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि

- निजी मोबाइल से ई-अटेंडेंस की व्यवस्था तत्काल रोकी जाए।
- शिक्षकों की डिजिटल और व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
- शिक्षकों को पढ़ाने के लिए अनुकूल,भरोसेमंद और सम्मानजनक वातावरण दिया जाए।

बहुरूपिया मंच ने कर दिया वह काम जो विधानसभा नहीं कर पाई

हमने बनाया है, आप संवारेंगे' से लेकर 'हम संवार रहे हैं' तक मनेन्द्रगढ़ में लोक कला,राजनीति और सकारात्मक संदेश का संगम

सियासत जब शोर छोड़ संस्कृति से बोली....मनेन्द्रगढ़ में बदला लहजा

श्रेय बनाम जिम्मेदारी: बहुरूपिया मंच से निकला विकास का असली विमर्श

राजनीति की तल्ख़ी के बीच सौहार्द का अपवाद... संयोग या संकेत ?

मंच पर संवाद,संदेश साफ : बनाने वाले और संवारने वाले दोनों जरूरी

-रवि सिंह-

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर मनेन्द्रगढ़ में आयोजित परंपरागत बहरूपिया महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि यह लोक कला,सामाजिक चेतना और राजनीतिक शालीनता का दुर्लभ संगम बन गया,रंग-बिरंगे वेश, सशक्त अभिनय और संदेशात्मक प्रस्तुतियों से सजी इस सांस्कृतिक संध्या ने देर शाम तक दर्शकों को बांधे रखा और मनेन्द्रगढ़ की जीवंत लोक परंपरा को नए आयाम दिए, महोत्सव के समापन समारोह में मंच पर जो दृश्य दिखा,वह आम सियासी आयोजनों से अलग था, भरतपुर-सोनहत के पूर्व कांग्रेस विधायक गुलाब कमरो और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के बीच हुआ संवाद अब जिले ही नहीं, बल्कि सियासी गलियारों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है,बहरूपिया महोत्सव का यह आयोजन मनेन्द्रगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को तो समृद्ध करता ही है,साथ ही मंच पर दिखा सियासी सौहार्द जिले के विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत भी देता है,श्रेय और जिम्मेदारी के इस संतुलित संवाद के साथ महोत्सव एक यादगार और प्रेरक आयोजन के रूप में सम्पन्न हुआ।

एकल वर्ग

प्रथम: नरसिंह अवतार— अर्जुन यादव
द्वितीय: हेलमेट जागरूकता संदेश के साथ यमराज— पूर्व पार्षद गुरुचरण सिंह
तृतीय: करें योग,रहें निरोग संदेश के साथ
नन्ही प्रतिभागी

समूह वर्ग

प्रथम: चिरमिरी के कलाकार— भील आदिवासी जीवन पर प्रस्तुति
द्वितीय: दानवीर कर्ण पर आधारित समूह प्रस्तुति
तृतीय: भगवान परशुराम और कर्ण का उत्कृष्ट अभिनय

गणमान्य अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में पूर्व विधायक गुलाब कमरो,भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पादेवी पावले,नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, आईबीसी 24 के वरिष्ठ एंकर पुनीत पाठक,नेता प्रतिपक्ष अनिल प्रजापति,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार केशरवानी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक और कला प्रेमी मौजूद रहे।

हमने जिला बनाया...अब आप संवारेंगे...

विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने मंच से सीधे मंत्री की ओर संकेत करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को जिला बनाया गया,उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा हमने जिला बनाया है,अब प्रदेश में भाजपा की सरकार है और हमारे क्षेत्र के विधायक स्वास्थ्य मंत्री हैं,तो अब इसे संवारने की जिम्मेदारी आपकी है,उनके इस वक्तव्य को न तो कटाक्ष माना गया और न ही राजनीतिक तकरार,बल्कि इसे आगे की जिम्मेदारी सौंपने वाला सधा हुआ संदेश माना गया।

मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का संतुलित और सकारात्मक जवाब

मुख्य अतिथि के रूप में मंच संभालते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने गुलाब कमरो की बात को उसी सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा बिल्कुल सही कहा आपने जिला बनाया है और हम इस जिले को पूरी शिद्दत से संवार रहे हैं,यहीं नहीं,मंत्री जायसवाल ने जिले के विकास का रोडमैप भी सामने रखा,उन्होंने मेडिकल कॉलेज,नई रेल लाइन विस्तार,फिजियोथेरेपी कॉलेज जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में तेजी से आगे ले जाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है।

लोक कला पर जोर: यह हमारी सांस्कृतिक पहचान की आत्मा है...

अपने उद्बोधन में मंत्री जायसवाल ने लोक कला के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा अंत भला तो सब भला,बहरूपिया जैसी लोक कलाएं हमारी सांस्कृतिक पहचान की आत्मा हैं,इन्हें सहेजना समाज और शासन दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है,उन्होंने कहा कि लोक कलाकार समाज के दर्पण होते हैं,जिनकी प्रस्तुतियों में संस्कृति, संस्कार और सामाजिक संदेश एक साथ दिखाई देते हैं,मनेन्द्रगढ़ में यह परंपरा आज भी जीवंत है,जो पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।

कलाकारों ने मोहा मन,पुरस्कारों से हुआ समापन

कार्यक्रम के दौरान बहरूपिया कलाकारों की एकल और सामूहिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। पौराणिक चरित्रों के साथ सामाजिक संदेशों को जोड़ती प्रस्तुतियों ने लोक कला की गहराई और प्रासंगिकता को सशक्त रूप से सामने रखा, समापन अवसर पर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

नए साल में जशपुर को ऐतिहासिक सौगात, 77 सड़कों के लिए 192 करोड़ से अधिक की मंजूरी

-संवाददाता-

जशपुरनगर,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले को सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। नए साल की शुरुआत में जिले के विभिन्न विकासखंडों में 77 सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों को स्वीकृति दी गई है,जिनके लिए 192 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर की गई है। इन सड़क कार्यों से जिले के ग्रामीण, दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों में आवागमन सुगम होगा और विकास को नई गति मिलेगी। बगीचा,दुलदुला, फरसाबहार,कुनकुरी,मनोरा, पत्थलगांव,जशपुर और कांसाबेल विकासखंडों के कई प्रमुख मार्गों के निर्माण व उन्नयन को मंजूरी मिली है। सड़क निर्माण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा शिक्षा,स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वर्षों से लंबित मांगें पूरी होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है।

कार्यालय कलेक्टर जिला सूरजपुर,छ0ग0 एवं पदेन उपसचिव
छ0ग0 शासन,राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

प्रारंभिक अधिसूचना

क्रमांक 1783/भू-अर्जन/03 अ-82/2018-19 सूरजपुर दिनांक 15/12/2025

जबकि समुचित सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि नीचे अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रायोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है, अतः भूमि अर्जन, पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पार्दिशिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् द्वारा अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा-11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा-12 के अन्तर्गत दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है-

अनुसूची

भूमि का विवरण					अधिनियम की धारा-12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम व प0ह0न0	खसरा नंबर	क्षेत्रफल हेक्टे. में		
1	2	3	4	5	6	7
सूरजपुर	प्रेमनगर	बलदेवनगर प.ह.नं. 15	10,12,418 कुल खसरा नंबर 03	कुल रकबा 1.255 हे.	कार्यपालन अभियंता, मिनि माता बांगो बांध संभाग क्रमांक 03 माचाडोली जिला - कोरबा (छ.ग.)	मिनि माता बांगो बांध के निर्माण

2. भूमि से संबंधित नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रामानुजनगर के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्य समय के दौरान देखा जा सकता है ।
3. समुचित सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं विनिर्दिष्ट अधिकारी एवं उसके कर्मचारीवृंद,जो उक्त अनुसूची के कॉलम 6 में वर्णित है, को भूमि में प्रवेश करने और उसका सर्वेक्षण करने, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अवमृदा में खुदाई करने या वेधन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिए अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है ।
4. अधिनियम 2013 की धारा 11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या कोई भी संव्यवहार नहीं होने देगा अर्थात क्रय-विक्रय. आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई विह्लंगम सृजित नहीं करेगा ।
5. यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में से कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता लोक प्रयोजन के लिए औचित्य तथा सामाजिक समाघात के निष्काषों के बारे में अपना दावा/आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम 2013 की धारा 15 की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रस्तुत कर सकेगा ।
6. प्रस्तावित उक्त भूमि अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नहीं है ।
7. प्रस्तावित उक्त भूमि अर्जन के लिये अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) को पुर्नवास और पुनव्यवस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्यपाल के नाम से तथा
आदेशानुसार
(एस. जयवर्धन) कलेक्टर जिला-सूरजपुर
एवं पदेन उप सचिव छ.ग.
शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी नंबर-252605757/1

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

क्रमांक/1729/वाचक-2/2025
सूरजपुर दिनांक 31/12/2025

सार्वजनिक उद्घोषणा/ईश्तहार

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/ नगर डेडरी कुंरूवा प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है निवासी ग्राम डेडरी पोस्ट डेडरी थाना कुरंवा तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0 ने अपने पिता हिरासाय पिता राम नारायण मृत्यु तिथि 20 /11 /1972 स्थान कुरंवा के जन्म / मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति / आक्षेप हो तो वे स्वय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 15/01/2026 दिन को उपस्थित होकर दावा आपत्ति / आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा / आपत्ति / आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 31/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

(सील)

नायब तहसीलदार
उप तहसील मानी
जिला-सूरपुर,छ0ग0

चलती व्यवस्था पर ताला!

सोनहत अस्पताल में महीनों से बंद सोनोग्राफी सेवा

चलती व्यवस्था पर ताला क्यों? सोनहत में बंद सोनोग्राफी ने खोली 'स्वास्थ्य सुशासन' की पोल

पूर्व विधायक गुलाब कमरो का सरकार पर हमला कहा, स्वास्थ्य सुविधा बनी मज़ाक,यह सुशासन नहीं, जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ है...

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से बंद पड़ी सोनोग्राफी सेवा अब एक बड़े प्रशासनिक और राजनीतिक विवाद का विषय बन गई है,अत्यंत जरूरी स्वास्थ्य सुविधा होने के बावजूद सोनोग्राफी मशीन का महीनों तक उपयोग न होना स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। हालात यह हैं कि मशीन अस्पताल में मौजूद है,कमरा भी तैयार है,लेकिन ताले के पीछे बंद पड़ी यह सुविधा मरीजों के किसी काम नहीं आ रही,इस मुद्दे को लेकर भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने प्रदेश सरकार और जिला स्वास्थ्य प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे ग्रामीण और आदिवासी अंचल की जनता के साथ सीधा अन्याय बताया है।

बता दे की स्वास्थ्य व्यवस्था का असली इम्तिहान नई योजनाओं की घोषणा से नहीं, बल्कि पहले से मौजूद सुविधाओं के सुचारू संचालन से होता है, कोरिया जिले के सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लंबे समय से बंद पड़ी सोनोग्राफी सेवा इस कसौटी पर सरकार और स्वास्थ्य विभाग दोनों को कठघरे में खड़ा करती है, सवाल सीधा है जब मशीन मौजूद है, कमरा मौजूद है, मरीज मौजूद हैं, तो फिर सेवा क्यों बंद है? एक डॉक्टर के तबादले के बाद पूरी व्यवस्था का ठप हो जाना यह साबित करता है कि सिस्टम व्यक्ति-आधारित है, व्यवस्था-आधारित नहीं। यही सबसे बड़ी प्रशासनिक विफलता है, सोनहत जैसे आदिवासी और दूरस्थ अंचल में सोनोग्राफी जैसी सुविधा सुविधा नहीं,ज़रूरत है, खासतौर पर गर्भवती महिलाओं के लिए, पूर्व विधायक गुलाब कमरो का यह सवाल वाजिब है कि पूर्व सरकार में शुरू हुई सुविधा,सरकार बदलते ही बंद क्यों हो गई? अगर नई सरकार पुरानी व्यवस्था को बेहतर नहीं कर सकती,तो कम से कम उसे बिगाड़ने का अधिकार भी नहीं होना चाहिए, सबसे चिंताजनक पहलू यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही तक सीमित नहीं दिखता, जब सरकारी सुविधा बंद रहती है और मरीजों को 50-60 किलोमीटर दूर निजी केंद्रों में जाना पड़ता है,तो संदेह पैदा

होना स्वाभाविक है क्या यह अनजाने में हो रहा है,या जानबूझकर? सोनहत से बैकुंठपुर जाने की मजबूरी गरीब ग्रामीणों के लिए केवल दूरी नहीं, बल्कि आर्थिक और भावनात्मक सजा है। मेरे पास बैकुंठपुर जाने के पैसे नहीं हैं साहब–यह वाक्य किसी रिपोर्ट की पंक्ति नहीं,बल्कि व्यवस्था पर सबसे कठोर टिप्पणी है।

डॉक्टर के तबादले के बाद ठप हुई पूरी व्यवस्था

जानकारी के अनुसार,सोनहत अस्पताल में सोनोग्राफी सेवा पूर्व में नियमित रूप से संचालित हो रही थी,लेकिन एक डॉक्टर के स्थानांतरण के बाद यह पूरी व्यवस्था अचानक ठप्प हो गई,न तो वैकल्पिक डॉक्टर की व्यवस्था की गई और न ही किसी अन्य तकनीकी समाधान पर ध्यान दिया गया। परिणामस्वरूप,लाखों रुपये की मशीन बंद कमरे में धूल खा रही है, पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सवाल उठाया अगर एक डॉक्टर के तबादले से पूरी सेवा बंद हो जाती है,तो यह व्यवस्था की कमजोरी नहीं तो और क्या है?

मरीजों की बदहाली,गर्भवती महिलाओं पर सबसे ज्यादा असर

सोनोग्राफी सेवा बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को हो रही है। उन्हें जांच के लिए 50 से 60 किलोमीटर दूर बैकुंठपुर या निजी सोनोग्राफी केंद्रों में जाना पड़ रहा है, इससे न केवल आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, बल्कि समय पर जांच न होने से स्वास्थ्य जोखिम भी बढ़ गया है,पूर्व विधायक ने कहा कि सोनहत और आसपास के गांवों के अधिकांश लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं और पूरी तरह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में सुविधा का बंद होना सीधे तौर पर गरीबों पर मार है।

निजी केंद्रों को फायदा पहुंचाने की साजिश?

गुलाब कमरो ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी सोनोग्राफी मशीन को जानबूझकर बंद रखा जा रहा है, ताकि निजी क्लीनिकों को लाभ पहुंचाया जा सके,उन्होंने कहा जब सरकारी सुविधा बंद रहती है,तो मजबूरी में लोग निजी जांच केंद्रों में जाते हैं। यह स्थिति संदेह पैदा करती है और इसकी जांच होनी चाहिए।

भावुक कर देने वाला मामला: मेरे पास बैकुंठपुर जाने के पैसे नहीं हैं साहब

कुछ दिन पहले रामगढ़ क्षेत्र से सोनोग्राफी कराने सोनहत अस्पताल पहुंची एक महिला को जब यह पता चला कि यहां महीनों से सोनोग्राफी बंद है, तो वह फूट-फूटकर रो पड़ी। महिला ने बताया कि उसे गंभीर तकलीफ है और जांच बेहद जरूरी है,जब लोगों ने उसे बैकुंठपुर जाने की सलाह दी, तो उसने कहा मेरे पास बैकुंठपुर जाने के पैसे नहीं हैं साहब, इस घटना ने वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। बाद में यूथ कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे को लेकर एसडीएम सोनहत को ज्ञापन भी सौंपा गया,लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मकर संक्रांति से पहले सेवा शुरू न हुई तो आंदोलन

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने चेतावनी दी है कि यदि नए साल में, मकर संक्रांति से पहले सोनहत अस्पताल में सोनोग्राफी सेवा पुनः शुरू नहीं की गई और सप्ताह में कम से कम तीन दिन सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, तो वे हजारों कार्यकर्ताओं और जनता के साथ मिलकर सीएमएचओ कार्यालय का घेराव करेंगे, उन्होंने कहा पूर्व सरकार में जनता की मांग पर यह सुविधा शुरू की गई थी, सरकार बदलते ही सेवा पर ताला लग जाना यह दिखाता है कि स्वास्थ्य विभाग जनता के प्रति कितना असंवेदनशील हो गया है।

स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी,सवाल बरकरार...

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इतने गंभीर मुद्दे पर अब तक जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है, न यह बताया गया कि सेवा कब शुरू होगी,न यह कि जिम्मेदार कौन है।

अनिश्चितकालीन आंदोलन की दी चेतावनी

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की वृहद जंगी रैली, सूरजपुर में सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। प्रांतीय आह्वान पर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सूरजपुर में वृहद ध्यानाकर्षण जंगी रैली निकालकर अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा, 29 से 31 दिसंबर तक प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत यह रैली मोदी की गारंटी लागू करने और राज्य सरकार से लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग को लेकर आयोजित की गई। आंदोलन को प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संगठनों का भी पूर्ण समर्थन मिला, फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ. आर. एस. सिंह ने बताया कि आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक रहा, सूरजपुर के सुदूर अंचलों से कर्मचारी-अधिकारी रैली में शामिल हुए और एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने सभी संगठनों, पदाधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया।

महिला प्रकोष्ठ व महासचिव का सरकार पर प्रहार

जिला संयोजक (महिला प्रकोष्ठ) प्रतिमा सिंह ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों की लगातार उपेक्षा हो रही है और महंगाई भत्ता जैसे मुद्दों पर बार-बार आंदोलन करना पड़ रहा है, उन्होंने सरकार से मोदी की गारंटी के वादों को शीघ्र पूरा करने की मांग की, जिला महासचिव मो. इकबाल अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर वादों के क्रियान्वयन के उदाहरण मौजूद हैं, ऐसे में छत्तीसगढ़ में गारंटी पूरी न होना सवाल खड़े करता है।

हजारों की भागीदारी

रैली और ज्ञापन कार्यक्रम में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, शिक्षक संघ, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, नर्सिंग एसोसिएशन, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ सहित हजारों कर्मचारीङ्कअधिकारी उपस्थित रहे, सूरजपुर की जंगी रैली ने साफ संदेश दे दिया है, यदि सरकार ने 11 सूत्रीय मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन का दायरा और तीव्र होगा।

ज्ञापन के दौरान ये रहे उपस्थित

ज्ञापन कार्यक्रम में जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह, जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ प्रतिमा सिंह,महासचिव मो.इकबाल अंसारी, सचिन त्रिपाठी जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ,मनीष दीपक साहू जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, निर्मल भट्टाचार्य, विजय साहू जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन, महेश पैकरा जी महासचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश स्थित वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ, गोपाल विश्वकर्मा जिला सर्व शिक्षक संघ, आदेश कुमार रवि प्रांतीय सचिव जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ लघु वेतन शासकीय कर्मचारी संघ राधेश्याम साहू जी जिला प्रवक्ता एवं ब्लॉक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक संघ श्री रमेश राजवाड़े प्रदेश महामंत्री शासकीय अर्धशासकीय वाहन चालक संघ, श्रीमती ज्योतिष साधना श्रीवास्तव जिला सचिव छत्तीसगढ़ नर्सिंग एसोसिएशन, आदित्य शर्मा जिला अध्यक्ष स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ, आर बी शुक्ला, वेद प्रकाश, धीरेंद्र उपाध्याय, राजकुमार सिंह, कमलेश यादव,प्रदीप सिंह, रामनिवास साहू, सतीश प्रताप सिंहदेव, कृपालनाथ तिवारी, महावीर ठाकुर, विन्देश गुप्ता, ज्योति साधना, माया शर्मा, अनुरंजन देव, सहित हजारों कर्मचारी अधिकारी उपस्थित थे।

11 सूत्रीय मांगों पर जोर

फेडरेशन की प्रमुख मांगों में...

- केंद्र के समान महंगाई भत्ता देय तिथि से लागू करना
- डीए एरियर्स को जीपीएफ खाते में समायोजित करना
- चार स्तरीय समयमान वेतनमान
- वेतन विसंगतियों के निराकरण हेतु पिंगुआ कमेटी रिपोर्ट सार्वजनिक करना
- पुरानी पेंशन योजना में नियुक्ति तिथि से गणना की बहाली
- सहायक शिक्षकों व सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान
- अनुकंपा नियुक्ति में 10प्रतिशत सीलिंग में शिथिलीकरण
- प्रदेश में कैशलेस सुविधा
- अर्जित अवकाश नगदीकरण 300 दिवस
- दैनिक/अनियमित/संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की ठोस नीति
- सभी विभागों में सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष शामिल हैं,डॉ. सिंह ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया,तो आगामी समय में तालाबंदी सहित वृहद एवं अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा।

जिला अस्पताल बैकुंठपुर में जांच के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

संविदा कर्मचारी पर गंभीर आरोप,रायपुर की निजी संस्था की रिपोर्ट देने का दावा

मरीज के परिजन ने कलेक्टर कोरिया से की शिकायत,जांच व कार्रवाई की मांग

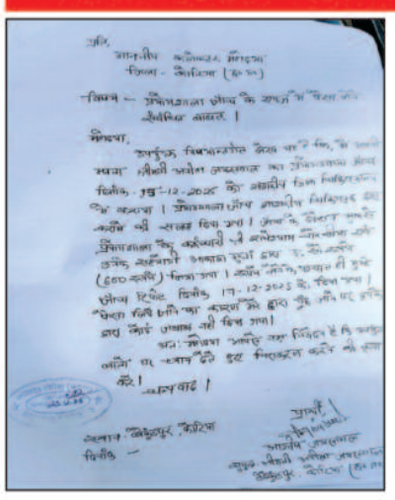

-संवाददाता-

कोरिया,01 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। प्रदेश सरकार भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनता के लिए सुलभ और निःशुल्क बनाने के दावे कर रही हो,लेकिन कोरिया जिले के जिला अस्पताल बैकुंठपुर से सामने आया मामला इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े करता है,जिला अस्पताल की पैथोलॉजी लैब में जांच के नाम पर अवैध वसूली और बाहरी निजी संस्था की रिपोर्ट दिए जाने के आरोप लगे हैं। इस पूरे मामले की लिखित शिकायत समस्त दस्तावेजों के साथ कलेक्टर कोरिया को सौंपी गई है, शिकायत के अनुसार,जिला अस्पताल की लैब में पदस्थ एक संविदा कर्मचारी और उसके द्वारा अवैध रूप से रखे गए एक बाहरी व्यक्ति द्वारा मरीजों और उनके परिजनों से पैसों की मांग की जा रही है। आरोप है कि जिन जांचों की सुविधा जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं है, उनकी भी रिपोर्ट मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही है।

रायपुर की निजी संस्था की रिपोर्ट जिला अस्पताल में देने का आरोप- मरीज के परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, डायबिटीज जांच के नाम पर रायपुर स्थित निजी संस्था वन ग्लोबल सर्विस प्रोवाइडर लिमिटेड की रिपोर्ट जिला अस्पताल में दी जा रही है। इन रिपोर्ट्स पर एमडी पैथोलॉजी डॉ. धनंजय प्रसाद की डिजिटल साइन होने का भी दावा किया गया है, अब यह जांच का विषय है कि ये रिपोर्ट्स वास्तव में वैध हैं या फिर फर्जी तरीके से मरीजों को थमाई जा रही हैं।

केमिकल खरीदी में कमीशनखोरी का भी आरोप

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिला अस्पताल में लैब केमिकल खरीदी के नाम पर भी कमीशनखोरी का खेल चल रहा है,इन अवैध गतिविधियों में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है,जिसकी निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

मरीज के परिजन ने बताई आपबीती

इस पूरे मामले को उजागर करने वाले स्थानीय निवासी आशीष जायसवाल ने कलेक्टर कोरिया चंदन त्रिपाठी को लिखित शिकायत दी है, अपने आवेदन में उन्होंने बताया 15 दिसंबर 2025 को मैं अपनी माताजी श्रीमती अनीता जायसवाल को लेकर जिला अस्पताल बैकुंठपुर आया था। डॉक्टर की सलाह पर पैथोलॉजी लैब में जांच कराई गई। वहां पदस्थ संविदा कर्मचारी राधेश्याम चौरसिया और उनके सहयोगी आकाश गुप्ता द्वारा मुझसे 600 रुपये की मांग की गई। पैसे नहीं देने पर रिपोर्ट देने से मना कर दिया गया। मजबूरी में पैसे देने के बाद 17 दिसंबर को रिपोर्ट दी गई। पैसे लेने का कारण पूछने पर कोई जवाब नहीं दिया गया, आशीष जायसवाल ने अपनी शिकायत में यह भी कहा कि यह अवैध वसूली गरीब और मजबूर मरीजों के साथ खुला अन्याय है।

कलेक्टर से जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में मरीजों और उनके परिजनों से इस तरह की अवैध वसूली न हो सके।

स्वास्थ्य विभाग की साख पर सवाल

यह मामला ऐसे समय सामने आया है,जब प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की बात कर रहे हैं। जिला अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में इस तरह के आरोप न केवल स्वास्थ्य विभाग की साख पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि आम जनता के भरोसे को भी चोट पहुंचाते हैं।

अब नजर प्रशासन पर...

अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर शिकायत पर कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है,क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी,या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा,यह आने वाला समय बताएगा।

सिमर भाटिया पर मामी ट्विंकल ने लुटाया प्यार

डेब्यू मूवी इक्कीस को लेकर किया रिएक्ट

हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया ने फिल्म इक्कीस के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। सिमर के इस डेब्यू को लेकर अब उन्हें अपनी मामी ट्विंकल खन्ना की तरफ से शुभकामनाएं मिली हैं। अभिनेता अगस्त्य नंदा की फिल्म इक्कीस को नए साल के मौके पर बड़े पर्दे पर रिलीज कर दिया गया है। सिल्वर स्क्रीन पर अगस्त्य की ये पहली फिल्म है। सिर्फ महानायक अमिताभ बच्चन के नाती ही नहीं बल्कि इक्कीस के जरिए एक और स्टार किड ने बॉलीवुड में एंट्री मारी है,जिनका नाम सिमर भाटिया है और वह सुपरस्टार अक्षय कुमार की भांजी हैं। सिमर को जीवन के इस खास पल पर उनकी मामी और एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना का फुल सपोर्ट मिला है। आइए जानते हैं कि अपने पति की भांजी को लेकर ट्विंकल ने क्या लिखा है।

सिमर को मिली मामी की तरफ विशेज

जब भी कोई स्टार किड्स सिनेमा जगत में कदम रखता है तो उसे अपने परिवार की तरफ से फुल सपोर्ट मिलता दिखता है। फिलहाल सिमर भाटिया के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। दरअसल हाल ही में सिमर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इक्कीस की शूटिंग के दौरान की कुछ बीटीएस तस्वीरों वाला एक अनसीन पोस्ट शेयर किया है, जिसमें फिल्म के डायरेक्टर श्रीराम राघवन और अगस्त्य नंदा की झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट में सिमर भाटिया ने फिल्म इक्कीस में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है। सिमर की इस पोस्ट पर उनकी मामी ट्विंकल खन्ना का स्पेशल कमेंट आया है, जिस पर उन्होंने लिखा है...मेरी सिम्मू सबसे बेस्ट है। इस तरह से ट्विंकल ने सिमर भाटिया पर जमकर प्यार लुटाया है। अपनी मामी के कमेंट का रिप्लाई देते हुए सिमर ने भी लिखा है...लव यू,नया 2026 मुबारक हो। आलम ये है कि अब सोशल मीडिया पर सिमर भाटिया के इस पोस्ट को खूब पसंद किया जा रहा है। फैंस इस पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। साथ ही ट्विंकल खन्ना के इस व्यवहार की भी खूब प्रशंसा की जा रही है।

सिमर की एक्टिंग की हुई तारीफ

फिल्म इक्कीस की रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है। मूवी के साथ-साथ इसमें सिमर भाटिया की अदाकारी की भी जमकर सराहना की जा रही है। पहली ही फिल्म से उन्होंने ये साबित कर दिया है कि एक्टिंग का हुनर उनमें कूट-कूटकर भरा है।

हम बहुत रोए...करीना कपूर ने याद किया 2025 का सबसे बुरा समय

पति के साथ ऐसे शुरू किया नया साल

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने 2025 को विदाई देते हुए सबसे बुरे दिन और सबसे बड़ी सीख को याद किया है। उन्होंने पॉजिटिव एनर्जी और फायर के साथ नए साल का आगाज किया। सैफ अली खान के साथ उनका पोस्ट वायरल हो रहा है।

साल 2025 करीना कपूर के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहा। सबसे बड़ी घटना हुई जिसने करीना और उनके परिवार को हिला दिया। सैफ अली खान के ऊपर चाकू से हुए हमले ने उनके परिवार में सुनामी ला दी थी। करीना कपूर खान ने नए साल का स्वागत किया लेकिन 2025 को खास विदाई देते हुए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने बीते साल की सबसे बड़ी सीख को याद किया है।

मुश्किल रहा करीना के लिए 2025

करीना कपूर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सैफ अली खान के साथ एक तस्वीर शेयर की जिसमें दोनों एक-दूसरे के साथ पोज दे रहे हैं। पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा...जैसे ही हम बैठकर इस बात पर सोचते हैं कि हम साल के आखिरी दिन तक पहुंच गए हैं। हम इतनी दूर तक आए हैं। 2025 हमारे, हमारे बच्चों और हमारे परिवारों के लिए एक मुश्किल साल रहा है लेकिन हम सिर ऊंचा करके,हंसते हुए और हिम्मत बनाए रखते हुए इससे गुजरे। हम बहुत रोए,हमने प्रार्थना की और अब हम यहां हैं।

करीना को ये सीख दे गया बीता साल

करीना कपूर ने आगे लिखा, 2025 ने हमें सिखाया कि इंसान का स्वभाव निडर होता है, प्यार हर चीज पर जीत हासिल करेगा और बच्चे हमारी सोच से ज्यादा बहादुर होते हैं। हम अपने फैंस,अपने दोस्तों और उन सभी को धन्यवाद देना चाहते हैं जो हमारे साथ खड़े रहे,हमारा साथ देते रहे और सबसे बढ़कर सर्वशक्तिमान भगवान को।

करीना कपूर ने जुनून के साथ शुरू किया नया साल

करीना कपूर ने एनर्जी और पॉजिटिविटी के साथ नए साल की शुरुआत करते हुए कहा...हम 2026 में नए जोश,बहुत सारी कृतज्ञता,पॉजिटिविटी और जो काम हम सबसे अच्छा करते हैं,यानी फिल्में,उसके लिए कभी न खत्म होने वाले जुनून के साथ कदम रख रहे हैं। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं,चढ़ दी कला (हमेशा सकारात्मक बने रहिए।)। सभी को नए साल की शुभकामनाएं।

नए साल पर जय को आई वीरू की याद...

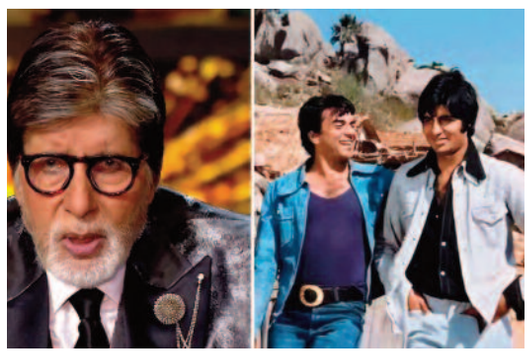

केबीसी के मंच पर धर्मेंद्र को लेकर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने अजीज दोस्त धर्मेंद्र को याद किया है। ये दोनों कलाकार हिंदी सिनेमा की कल्ट क्लासिक फिल्म में जय-वीरू की भूमिका निभाते हुए नजर आए थे। बीते 24 नवंबर को हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया था। आज 1 जनवरी 2026 को उनकी आखिरी फिल्म इक्कीस को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। इस फिल्म के जरिए एक लास्ट बार धरम पाजी की झलक आपको बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। इक्कीस में महानायक अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी मौजूद हैं। हाल ही में इक्कीस की टीम बिग बी के रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17 के मंच पर पहुंची है। इस दौरान अमिताभ ने अपने वीरू यानी धर्मेंद्र को याद किया है। केबीसी के नए प्रोमो में बिग बी भावुक होते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र असल जिंदगी में एक दूसरे के काफी करीब थे। फिल्म शोले से शुरू हुआ जय वीरू का ये याराना रियल लाइफ में भी खूब चर्चित रहा। नए साल के मौके पर केबीसी 2025 में इक्कीस स्पेशल एपिसोड रखा गया है, जिसका प्रोमो वीडियो बुधवार को सोनी टीवी के ऑफिशियल एक्स हैंडल पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में अमिताभ धरम पाजी के बारे में बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं,वह कहते हैं...फिल्म इक्कीस हमारे लिए कई मायनों में खास है। क्योंकि इस मूवी में एक ऐसे कलाकार की आखिरी झलक देखने को मिलेगी, जो सबके दिलों में बसते थे। मेरे आदर्श, मेरे परिवार और मेरे दोस्त धर्मेंद्र जी की। धरम जी एक शख्स नहीं बल्कि एक एहसास थे और एहसास जो होता है वह कभी किसी को जाने नहीं देता है। वह यादें और दुआएं बनकर हमेशा साथ चलता है। इस तरह से बिग बी धर्मेंद्र को यादकर केबीसी 17 के मंच पर इमोशनल होते हुए नजर आए। इसके अलावा इक्कीस के निर्देशक श्रीराम राघवन और एक्टर जयदीप अहलावत ने भी फिल्म में धर्मेंद्र संग काम करने के अनुभव को साझा किया है। इस प्रोमो वीडियो के आखिर में अमिताभ बच्चन ने शोले की शूटिंग से जुड़ा रोचक किस्सा बताया है। उन्होंने कहा- धरम जी की एक खूबी थी कि वह असल जिंदगी में पहलवान टाइप के इंसान थे। फिल्म शोले में मेरा जो डेथ सीन है, जिसमें मैं तड़प रहा था, उसमें मेरी नेचुरल एक्टिंग रही, क्योंकि धरम जी ने मुझे काफी जोर से पकड़ कर रहा था।

वॉर,एक्शन और हॉरर से भरपूर नया साल,इन 8 बड़ी फिल्मों से गुलजार होगा सिनेमाघर

साल 2026 का आगाज हो गया है और इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने के लिए कतार में हैं। इस साल सलमान खान से लेकर शाह रुख खान और रणबीर कपूर जैसे बड़े सितारे बड़े पर्दे पर ऐसा धमाल मचाएंगे कि लोग देखते रह जाएंगे। चलिए आपको इस साल रिलीज होने वाली फिल्मों की लिस्ट दिखाते हैं। साल 2025 का आखिरी महीना धुरंधर के साथ ब्लॉकबस्टर रहा और अब नया साल कई बड़ी फिल्मों के साथ धमाल मचाने की तैयारी में है। नया साल शुरू हो गया और इस बार नए-नए धमाके भी देखने को मिलेंगे। इस साल बड़े पर्दे पर कई मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्में रिलीज होने वाली हैं जिनमें कुछ सीक्वल्स भी हैं।

उन फिल्मों की लिस्ट जो साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं...

बॉर्डर 2

नए साल की शुरुआत सनी देओल,वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारों से सजी फिल्म बॉर्डर 2 के साथ होने वाली है। फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। यह जेपी दत्ता की बॉर्डर का सीक्वल है जिसका निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं।

धुरंधर पार्ट 2

5 दिसंबर 2025 को आई आदित्यधर की धुरंधर ने 2025 का आखिरी महीना धमाकेदार बना दिया। फिल्म 31 दिसंबर तक सिर्फ 25 दिन में 1100 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है। अब 19 मार्च 2026 को फिल्म का दूसरा पार्ट आ रहा है जिसको लेकर पहले से ही दर्शकों के बीच काफी उत्साह और इंतजार है।

किंग

पठान और जवान के धमाके के तीन साल बाद शाह रुख खान भी किंग बनकर वापसी करने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित फिल्म किंग इसी साल रिलीज होने वाली है, लेकिन अभी रिलीज डेट अनाउंस नहीं की गई है।

भूत बंगला

एक्शन के साथ इस साल हॉरर कॉमेडी का भी तगड़ा लगने वाला है। प्रियदर्शन अक्षय कुमार के साथ 14 साल बाद वापसी कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म भूत बंगला है जो 2 अप्रैल 2026 को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी का तड़का लगेगा।

बैटल ऑफ गलवान

सलमान खान की वॉर ड्रामा बैटल ऑफ गलवान भी नए साल में नया एक्शन लेकर आने वाली है। कर्नल संतोष बाबू पर आधारित फिल्म की कहानी 2020 के गलवान युद्ध के इर्द-गिर्द है। फिल्म 17 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी।लव एंड वॉर वॉर के साथ-साथ रोमांस का तड़का लगाने के लिए इस बार संजय लीला भंसाली लव एंड वॉर लेकर आ रहे हैं जिसमें विक्की कौशल, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म 14 अगस्त 2026 को रिलीज हो रही है।

दृश्यम 3

अजय देवगन स्टारर दृश्यम 3 भी इसी साल रिलीज होने वाली है। अभिषेक पाठक निर्देशित फिल्म दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी है। यह 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में अजय के अलावा तब्बू दिखाई देंगे। हालांकि, इस बार अक्षय खन्ना नहीं होंगे।

नागजिला

भूल भुलैया के बाद अब कार्तिक आर्यन नागलोक में एंट्री लेने वाले हैं। उनकी आगामी फिल्म नागजिला है जिसमें वह श्रीलीला के साथ दिखाई देंगे। यह फिल्म भी इसी साल रिलीज हो सकती है।

खेल समाचार

लखनऊ लायंस की शानदार जीत से शुरू हुआ नया साल

नोएडा,01 जनवरी 2026। नया साल लखनऊ लायंस के लिए उसी तरह शुरू हुआ जैसे पिछला साल खत्म हुआ था, क्योंकि उन्होंने गुरुवार को नोएडा में नोएडा इंडोर स्टेडियम में उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग के सीज़न 2 के आठवें दिन के शुरुआती मैच में अवध रामदूतों को 48-33 से हराकर एक और शानदार प्रदर्शन किया। लखनऊ लायंस ने एक बार फिर दिखाया कि उन्हें लीग की सबसे बेहतरीन टीम क्यों माना जाता है, उन्होंने शानदार रेडिंग और अनुशासित डिफेंस के साथ शुरू से ही मैच पर कंट्रोल बनाए रखा। पहला हाफ पूरी तरह से लखनऊ के नाम रहा, जिसका नेतृत्व युवा रेडर शिवम चौधरी ने किया,जिन्होंने अपनी टाइमिंग और एग्जीक्यूशन से अवध के डिफेंस को बार-बार परेशान किया। शिवम शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने सिर्फ आठ रेड में 10 पॉइंट बनाए और अवध रामदूतों को कभी भी डिफेंसिव लय में आने नहीं दिया। लखनऊ के दबदबे को उनकी डिफेंसिव यूनिट ने और मजबूत किया, जो एकजुट और सतर्क रही, गलतियाँ करने पर मजबूर किया और मौकों का फायदा उठाकर अवध रामदूतों पर दो ऑल-आउट किए। लगातार दबाव के कारण लखनऊ लायंस हाफटाइम में 13 पॉइंट की बढ़त के साथ मैच पर पूरी तरह से कंट्रोल में थे। ब्रेक के बाद अवध रामदूतों ने वापसी की कोशिश की,उन्होंने ज़्यादा तेज़ी दिखाई और लखनऊ के डिफेंस में कमियाँ खोजने की कोशिश की। हालांकि, शिवम चौधरी ने अपना दबदबा बनाए रखा,उन्होंने एक और महत्वपूर्ण रेड की जिससे तीन पॉइंट मिले, और अवध की वापसी की कोशिश को रोक दिया। मैच का एक अहम पल तब आया जब लखनऊ लायंस के खिलाड़ी कुछ समय के लिए मैट पर सिर्फ तीन रह गए थे। संख्या में कम होने के बावजूद, उन्होंने शानदार धैर्य और डिफेंसिव संगठन दिखाया, ऑल-आउट होने से बचे और अवध की रेड को सफलतापूर्वक रोका। यह पल निर्णायक साबित हुआ, इसने अवध का आत्मविश्वास कम किया और लखनऊ के कंट्रोल को और मजबूत किया। मैच के आखिरी पलों में, लखनऊ लायंस ने समझदारी से गेम खेला, यह सुनिश्चित किया कि कोई आखिरी समय में कोई अप्रत्याशित घटना न हो। आखिरकार उन्होंने 48-33 से शानदार जीत हासिल की, अपनी प्रभावशाली जीत का सिलसिला जारी रखा और यूपीकेएल सीज़न 2 के आठवें दिन के लिए माहौल तैयार किया।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का ऐलान

तीन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका; पैट कमिंस को भी जगह

सिडनी,01 जनवरी 2026।

ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 (भारत और श्रीलंका में प्रस्तावित) के लिए अपनी प्रोविजनल 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान मिचेल मार्श को सौंपी गई है। इस बार चयनकर्ताओं ने स्पिन गेंदबाजी पर ज्यादा भरोसा जताया है।

हॉबर्ट हरिकेन्स के विस्फोटक बल्लेबाज मिचेल ओवेन को टीम में जगह नहीं मिली, जो चयन का सबसे बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है। इसके अलावा 2021 की चैंपियन टीम के विपरीत इस बार किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है।

तीन खिलाड़ियों को मिल सकता है वर्ल्ड कप डेब्यू

स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन , ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा नहीं लिया था।

पैट कमिंस की वापसी

टीम में ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं। गेंदबाजी विभाग में पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के साथ एडम जम्पा और मार्कस स्टोइनिस अहम भूमिका निभा सकते हैं, खासकर भारतीय पिचों पर।

ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के चेयरमैन जॉर्ज बेली ने कहा, टी-20 टीम ने हाल के सालों में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे हमें भारत और श्रीलंका जैसी परिस्थितियों के लिए संतुलित टीम चुनने की आजादी मिली।उन्होंने यह भी बताया कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड की फिटनेस पर नजर रखी जा रही है, लेकिन उम्मीद है कि ये सभी वर्ल्ड कप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है। अपने ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत टीम है, लेकिन उसे श्रीलंका और आयरलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका के साथ 16 फरवरी को मुकाबला होगा। टीम अपना आखिरी लीग मैच 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ खेलेगी। उससे पहले उसे 13 फरवरी को जिम्बाब्वे से भी भिड़ना है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉयड

मिचेल मार्श, जेवियर बार्टलेट, कूप कोनली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमन , ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जम्पा।

महिला प्रीमियर लीग 2026 के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम को नया स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलेगा

दिल्ली,01 जनवरी 2026। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को नया स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने वाला है। महिला प्रीमियर लीग 2026 की समाप्ति के बाद निकोलस ली महिला टीम के नए स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बनेंगे। आईएएनएस को मिली जानकारी के मुताबिक निकोलस का भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बनना तय हो गया है। इस रोल के लिए ऑस्ट्रेलिया के नाथन कीली से भी बातचीत चल रही थी, लेकिन निकोलस ली ने बाजी मारी। वह महिला प्रीमियर लीग 2026 के बाद भारतीय टीम से जुड़ जाएंगे। निकोलस ली एक अनुभवी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच हैं जो एलीट स्पोर्ट्स में फिजिकल तैयारी और कंडीशनिंग विशेषज्ञ हैं। वह आईएलटी20 में गल्फ जायंट्स के साथ बतौर स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच जुड़े रहे हैं। ली ने इससे पहले जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 तक अफगानिस्तान की पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच के तौर पर काम किया था और मार्च 2020 से जनवरी 2024 तक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में फिजिकल परफॉर्मेंस के हेड के तौर पर काम किया था। वह अक्टूबर 2016 से मार्च 2020 तक श्रीलंका की पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच भी थे। इंटरनेशनल टीमों के साथ काम करने से पहले, ली ने मार्च 2012 से सितंबर 2016 तक ससेक्स काउंटी क्रिकेट क्लब में लीड स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग ट्रेनर के तौर पर काम किया,इसके अलावा जनवरी 2010 से मार्च 2012 तक सहायक की भूमिका में भी रहे। 42 साल के इंग्लैंड के ली ने दाएं हाथ के बल्लेबाज थे और 13 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 30.62 की औसत से 490 रन बनाए, जिसमें तीन हाफ-सेंचुरी शामिल थी। भारतीय महिला टीम का महिला प्रीमियर लीग 2026 के बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम को 3 टी20, 3 वनडे और 1 टेस्ट मैच खेलना है।

मिचेल मार्श टी 20 विश्व कप से पहले खतरनाक फॉर्म में...

होबार्ट,01 जनवरी 2026। टी20 विश्व कप 2026 से पहले मिचेल मार्श खतरनाक फॉर्म में दिख रहे हैं। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करने को तैयार मिशेल मार्श ने बीबीएल में विस्फोटक शतक लगाते हुए अपनी टीम पर्थ स्कॉर्चर्स को होबार्ट हरिकेन्स के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी है। होबार्ट हरिकेन्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पर्थ स्कॉर्चर्स की तरफ से पारी की शुरुआत करने आए मिचेल मार्श गेंदबाजों पर बेरहम दिखे। मार्श ने मात्र 58 गेंदों पर 5 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 102 रन की पारी खेली। मार्श के अलावा पर्थ के लिए आरोन हार्डी ने 43 गेंद पर 5 छक्के और 9 चौकों की मदद से नाबाद 94 रन बनाए। मार्श और हार्डी के बीच तीसरे विकेट के लिए 84 गेंद पर 164 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी की बदौलत पर्थ स्कॉर्चर्स ने 3 विकेट पर 229 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 230 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी होबार्ट हरिकेन्स 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन पर सिमट गई और 40 रन से हार गई। होबार्ट के लिए टिम वॉर्ड ने 17 गेंद पर 27, निखील चौधरी ने 15 गेंद पर 31,और मैथ्यू वेड ने 14 गेंद पर 29 रन की पारी खेली। पर्थ के लिए एश्टन अगर ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में 38 रन देकर 3 विकेट लिए। जोएल पेरिस और आरोन हार्डी को 2-2 विकेट मिले। कूपर कोनोली और ब्रॉडी काउच को 1-1 विकेट मिला। मिचेल मार्श को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीजन के पांचवें मैच में पर्थ की यह तीसरी जीत थी।

रोजगार,कौशल और बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम....

सीएम साय की उपस्थिति में हेल्थ केयर में कौशल विकास हेतु सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ एमओयू

रायपुर,1 जनवरी 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण एवं सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू राज्य में हेल्थकेयर क्षेत्र का दायरा बढ़ाने,गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन तैयार करने तथा युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। समझौते का मुख्य उद्देश्य हेल्थकेयर प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना, युवाओं का कौशल उन्नयन तथा आधुनिक चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आवासीय एवं गैर-आवासीय दोनों प्रकार के निःशुल्क

प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे। एमओयू के तहत चार प्रकार के कोर्स संचालित किए जाएंगे, जिनमें मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, कार्डियोलॉजी तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, कार्डियक केयर तकनीशियन तथा इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन के प्रशिक्षण शामिल हैं। ये कोर्स युवाओं को विशेषज्ञता के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर निर्माण का अवसर उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार कौशल विकास को विकास की रीढ़ मानती है और विशेष रूप से हेल्थकेयर सेक्टर की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशलयुक्त कार्यबल तैयार करने पर बल दे रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ युवाओं के लिए व्यापक रोजगार संभावनाएँ भी उत्पन्न करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कौशल विकास पर केंद्रित यह साझेदारी राज्य के दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। प्रशिक्षित युवा अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों और आपातकालीन सेवाओं में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सी. श्रीनिवास सहित ट्रस्ट के प्रतिनिधि एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में बिना राज्यपाल की अनुमति नहीं होगी यूनिवर्सिटी जांच

अधिकारी-कर्मचारियों पर जांच से पहले मंजूरी जरूरी कांग्रेस बोली...गवर्नर को सरकार पर भरोसा नहीं

रायपुर,1 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ की सरकारी यूनिवर्सिटी में अब किसी भी अधिकारी,शिक्षक या कर्मचारी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले राज्यपाल की अनुमति अनिवार्य कर दी गई है। यह आदेश लोक-भवन से जारी किया गया है। जांच पूरी होने के बाद अंतिम निर्णय लेने के लिए भी कुलाधिपति यानी राज्यपाल की स्वीकृति जरूरी रहेगी। इस आदेश के बाद प्रदेश में राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच अधिकारों को लेकर टकराव की स्थिति बनती नजर आ रही है। अब तक विश्वविद्यालयों में कुलपति स्तर तक के मामलों में राज्यपाल का अधिकार क्षेत्र माना जाता था। जबकि उससे नीचे के अधिकारियों और कर्मचारियों से जुड़े मामलों में राज्य सरकार निर्णय लेती थी। लेकिन नई व्यवस्था में कुलसचिव या प्रभारी कुलसचिव को छोड़कर बाकी सभी अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले राज्यपाल की अनुमति लेनी होगी। वहीं कांग्रेस ने कहा इस आदेश के अनुसार बिना अनुमित के जांच नहीं हो सकती। ये सीधा-सीधा भ्रष्टाचार को सरंक्षण देना है। विश्वविद्यालयों में गड़बड़ी हुई। सरकार उनको बचा रही है। लोक भवन और

सरकार के बीच टकराव नजर आ रहा है। इस आदेश से राज्यपाल को सरकार पर भरोसा नहीं ऐसा प्रतीत होता है।

घोटालों की जांच होगी प्रभावित

प्रदेश में फिलहाल कई शासकीय विश्वविद्यालयों में विभागीय जांच चल रही है। इनमें छत्तीसगढ़ कृषि विश्वविद्यालय का बीज घोटाला, बिलासपुर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में कथित भ्रष्टाचार और आदर्श महाविद्यालय लोहारकोट में जेम पोर्टल के जरिए 1.06 करोड़ की खरीदी जैसे मामले शामिल हैं। नए आदेश के बाद इन मामलों की जांच प्रक्रिया पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

समाज प्रमुखों के साथ आरएसएस हेड की गुप्त बैठक

घर पर हिन्दी में बात करें, शास्त्र के संविधान पढ़ें : भागवत

रायपुर,1 जनवरी 2026। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति में गुरुवार को रायपुर के श्रीराम मंदिर में गुप्त सामाजिक सद्भाव बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न जाति,समाज और पंथ के लगभग 500 प्रतिनिधि शामिल हुए। इसमें मीडिया या किसी अन्य की एंट्री पर बैन था। सिर्फ आरएसएस के चुनिंदा प्रचारक और समाज के चिह्नांकित लोग ही बैठक में शामिल हुए। हालांकि बैठक के संबंध में संघ के प्रचार विचार विभाग ने जरूर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत में लोग अपनी-अपनी आस्था और आचरण के साथ सदियों से सद्भाव के साथ एकजुट होकर रहते आए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में घर में काम करने वाले व्यक्ति को भी परिवार के बच्चे 'चाचा' कहकर सम्मान देते हैं, यही भारतीय समाज की आत्मा है। सरसंघचालक ने कहा कि अंग्रेज स्वेच्छा से भारत छोड़कर नहीं गए, बल्कि हमारे पूर्वजों ने एकजुट होकर संघर्ष किया। उन्होंने हमारी सामाजिक एकता को कमजोर करने के प्रयास किए, लेकिन भारतीय समाज ने समय-समय पर उन्हें असफल किया। उन्होंने कहा कि अपनी विशिष्टता के साथ आगे बढ़ना हमारी परंपरा है, लेकिन ं का

सम्मान करना भी उतना ही आवश्यक है। जहां समाज में संगठन और सद्भावना मजबूत होती है, वहां तोड़ने वाली शक्तियां सफल नहीं होतीं। डॉ. भागवत ने कहा कि समाज में लव जिहाद,मतांतरण और नशे जैसे विषयों पर प्रबोधन आवश्यक है। अकेलेपन की भावना व्यक्ति को व्यसन की ओर धकेलती है, इसलिए समाज को एक-दूसरे का सहारा बनना होगा। उन्होंने कहा कि समाज में जो दुर्बल या वंचित वर्ग हैं, उनके सशक्तिकरण के लिए हर समाज को ठोस निर्णय लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

नए साल के जश्न में बवाल...होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में कारोबारियों के दो गुट आपस में भिड़े,जमकर चले लात-घूंसे

रायपुर,1 जनवरी 2026। बीती रात एक बड़े होटल में आयोजित नए साल के जश्न के बीच कारोबारियों के बीच जमकर रात घूंसे चले। लभांडी स्थित होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में यह मारपीट हुई। रात चढ़ते ही शराब के नशे में कारोबारी मारपीट पर उतारू हो गए। एक मामूली बात की वजह विवाद बढ़ा और पहले तो लात घूसे खूब चले। उसके बाद कारोबारियों ने बेल्ट उतार कर एक दूसरे पीटा ।दो गुटों में हुई मारपीट पर उनके साथ आईं महिलाएं बीच-बचाव करती दिखीं। घंटे भर से अधिक चला यह जूतम पैजार होटल मैनेजर और अन्य लोगों के बीच बचाव पर शांत हुआ। इस मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है लेकिन दोनों पक्षों ने थाने में शिकायत नहीं की।

न्यू-ईयर्स की महफिल सजाने वाले आयोजकों ने विदेशी सुरा सुंदरी का किया इंतजाम

राजधानी में पुलिस प्रशासन की सख्ती के बाद भी शहर के बड़े होटलों और फार्महाऊसों और क्लबों में जमकर शराब और शबाब का

जश्न का रंगरशियों में लुत्फ उठाया । राजधानी के न्यूईयर्स की महफिल सजाने वाले आयोजकों ने विदेशी सुरा सुंदरी से लेकर इंटरटेनमेंट का विथ आर्केस्टा इंतजाम कर नए साल की शुरूआत करोड़ों की कमाई से की है। जश्न में डूबे राजधानी के तमाम चौक-चौहारों से लेकर पाश कालोनियों में शराब की नदिया देर रात से अल सुबह तक बहती रही, विदेशी बालाओ के हाथों जाम पीते आर्केस्ट्रा में फरमाइशी गीतों पर लोग झूमते रहे। नए साल को जश्न को यादगार बनाने सेलपी जोन में अपने -अपने महिला मित्रों के साथ स्लफी लेते रहे। भले ही खड़े होते नहीं बन रहा है हो पर सेल्फी जोन पर बार-बार जाने की जिद कर पार्टी फीस की वसूली करते दिखाई दिए।

बड़ी मात्रा में हरियाणा से शराब आई

छत्तीसगढ़ में न्यू ईयर पार्टी में खपाने के लिए बड़ी मात्रा में हरियाणा से शराब आई थी। जश्न की शाम में ये शराब पहुंचने से पहले ही आबकारी विभाग ने कार्रवाई कर बड़ी सफलता हासिल की है। अंग्रेजी शराब ब्लैक डॉग की 300 पेटी शराब बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई जा रही है। पूरा मामला अंबिकापुर शहर से लगे कांतिप्रकाशपुर का है। जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर की न्यू ईयर पार्टियां में लोगों को परोसे जाने के लिए आरोपी हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब को सड़क मार्ग से लाया गया था। इसे एक किराए के मकान में छिपा कर रखा गया था। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन समेत 300 पेटी ब्लैक डॉट ब्रांड की शराब को जब्त किया। आरोपी मौरभ सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह पूर्व में अंग्रेजी शराब खपाने के मामले में भी जेल जा चुका है।

राज्य सरकार का फैसला...

सुनवाई के दिन के हिसाब से होगा पैनल में शामिल वकीलों का भुगतान

बिलासपुर,1 जनवरी 2026। एडवोकेट जनरल कार्यालय के लिए सरकारी वकीलों की टीम गठित करने के बाद अब राज्य सरकार ने पैनल अधिवक्ताओं के मानदेय पर भी निर्णय ले लिया है। जारी आदेश में विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने पैनल वकीलों के

लिए दैनिक मानदेय निर्धारित कर दिया है। इसके तहत अब प्रति केस के बजाय प्रति सुनवाई दिवस के अनुसार भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार ने पूर्व में जारी सभी आदेशों को निरस्त करते हुए स्पष्ट किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से हाईकोर्ट में पैरवी करने वाले पैनल अधिवक्ताओं को अब एक दिन की सुनवाई के लिए अधिकतम 2,500 रुपये का मानदेय मिलेगा। यह राशि तब भी 2,500 से अधिक नहीं होगी, जब कोई पैनल वकील एक ही दिन में एक से ज्यादा मामलों में उपस्थित हो। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पैनल अधिवक्ताओं को मानदेय पाने के लिए कम से कम एक मामले की सुनवाई में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। यानी केवल नामांकन के आधार पर भुगतान नहीं किया जाएगा; वास्तविक पेशी जरूरी होगी। इस नई व्यवस्था को वित्त विभाग की स्वीकृति 23 दिसंबर 2025 को मिल चुकी थी। इसके बाद विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने इसे औपचारिक रूप से लागू कर दिया है। सरकार का मानना है कि इस कदम से भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और खर्चों पर नियंत्रण रहेगा।

बिजली बिल की बकाया राशि का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

बिलासपुर,1 जनवरी 2026। बकाया बिल की वसूली को लेकर हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस बीडी गुरु ने अपने फैसले में कहा है, विद्युत (आपूर्ति) अधिनियम,1948 की धारा 49 के तहत यह शर्त है कि विद्युत आपूर्ति प्रदान करने से पहले नए मालिक को पिछले मालिक की बकाया राशि का भुगतान करना होगा, क्योंकि यह एक वैधानिक प्रक्रिया है और खरीदार पर बाध्यकारी है। पॉलीबॉन्ड रॉक फाइबर प्राइवेट लिमिटेड ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने बैंक अधिकारियों सहित,संयुक्त रूप से और अलग-अलग,बिजली कनेक्शन प्रदान करने के लिए अवैध रूप से वसूल की गई राशि को प्रचलित बैंक दर पर ब्याज सहित वापस करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया पर आरोप लगाया है कि नीलामी से पहले कई वर्षों तक संपत्ति पर कब्जा होने के बावजूद मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपने विज्ञापन में मौजूदा बकाया बिजली बिल का खुलासा नहीं किया है। अरिहंत रॉक

वूल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड, राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव तहसील के बकल गांव में स्थित खसरा संख्या 887/1 और 888 वाली 2.04 एकड़ भूमि पर एक संयंत्र संचालित करती थी। उक्त संयंत्र के संचालन के लिए, अरिहंत ने बैंक ऑफ इंडिया से ऋण लिया था। हालांकि, अरिहंत द्वारा ऋण राशि के पुनर्भुगतान में चूक के कारण, बैंक ने प्रतिभूतिकरण और वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत बैंक ने अरिहंत की संपत्ति पर कब्जा कर लिया। इसके बाद उक्त संपत्ति की बिक्री के लिए 19 अप्रैल 2012 को नीलामी सूचना प्रकाशित की गई। इस प्रक्रिया में याचिकाकर्ता कंपनी ने भाग लिया और सफल घोषित होने पर उसने 2,62,18,000 रुपये का विक्रय मूल्य अदा किया। इसके बाद बैंक ने अरिहंत की चल और अचल संपत्तियों के विक्रय प्रमाण पत्र याचिकाकर्ता कंपनी को सौंप दिया। याचिकाकर्ता के अनुसार, विक्रय प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि 'अनुसूचीबद्ध संपत्ति की बिक्री सुरक्षित लेनदार को ज्ञात सभी भारों से मुक्त थी'। जब उसने उत्पादन शुरू करने या संयंत्र चलाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड CSPDCL से बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया। उस समय उसे पता चला कि अरिहंत पर 2008 से बिजली बिल बकाया है, जिसके कारण बिजली कनेक्शन स्थायी रूप से काट दिया गया है।

याचिकाकर्ता के अनुसार उसने अधिकारियों को यह समझाने की पूरी कोशिश की कि वे अरिहंत के किसी भी बिजली बिल का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। इसके बावजूद,CSPDCL ने याचिकाकर्ता से 17,67,873 रुपये का भुगतान करने को कहा, अन्यथा वसूली की कार्यवाही शुरू की जाएगी। तत्काल बिजली कनेक्शन प्राप्त करने के लिए, याचिकाकर्ता ने उक्त राशि का भुगतान कर दिया और उसके बाद से इस राशि की वापसी के लिए दर-दर भटक रहा है। याचिकाकर्ता के अनुसार, बैंक ऑफ इंडिया ने भी अपनी जिम्मेदारी से इनकार कर दिया है और यहां तक कि CSPDCL ने भी इस संबंध में याचिकाकर्ता के अनुरोध को स्वीकार नहीं कर रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने सिंगल बेंच के समक्ष तर्क दिया कि बिजली कंपनी द्वारा की गई कार्रवाई अवैध, मनमानी और विधिवत रूप से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता से वसूल की गई राशि वसूली की तिथि पर समय सीमा से बाहर हो गई थी और चूंकि समय सीमा से बाहर हो चुकी ऋण राशि याचिकाकर्ता द्वारा देय नहीं है, इसलिए CSPDCL ब्याज सहित राशि वापस करने के लिए बाध्य हैं। बिजली कंपनी की यह कार्रवाई भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 और 300 ए के तहत याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। बिजली कंपनी ने कहाः बकाया बिल का भुगतान करने की जिम्मेदारी की है बिजली कंपनी की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता ने कहा, यह याचिका धन संबंधी दावे से संबंधित है, जिसके लिए तीन वर्ष की अवधि के भीतर मुकदमा दायर किया जा सकता था।

पहली बार हो रहे नेशनल ट्राइबल-गेम्स की मेजबानी करेगा छत्तीसगढ़

8-9 जनवरी को ट्रायल्स,14 से 29 फरवरी तक चलेगा कॉम्पिटिशन,प्रचार वाहन रवाना

रायपुर,1 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार आयोजित होने जा रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के प्रचार-प्रसार के लिए मशाल गौरव यात्रा को रवाना किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं खेल व युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय से यात्रा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। यह प्रचार वाहन राज्य के सभी जिलों का भ्रमण करेगा। आयोजन का शुभंकर 'मोरवीर', थीम सॉन्ग और मशाल के साथ यह यात्रा गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के बारे में जानकारी देगी। नेशनल ट्राइबल गेम्स के लिए ट्रायल 7 और 8 जनवरी को होगा। और ट्राइबल गेम्स का आयोजन 14 से 29 फरवरी तक रायपुर और जगदलपुर में किया जाएगा। मशाल गौरव यात्रा को रवाना करने के बाद उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, यह छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है कि देश में पहली बार होने वाले खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की मेजबानी राज्य को मिली है। उन्होंने इसके लिए भारत सरकार और केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया के प्रति आभार व्यक्त किया।

नए साल पर दुर्ग में 8 आईटी बदले गए

एसपी ने 11 निरीक्षक और उप निरीक्षकों का किया ट्रांसफर

दुर्ग-भिलाई,1 जनवरी 2026। नए साल के पहले दिन दुर्ग पुलिस में 8 थाना प्रभारियों का तबादला किया गया है। देर शाम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने थाना प्रभारियों की ट्रांसफर सूची जारी की। जारी सूची के अनुसार जिले के कई थानों और इकाइयों में पदस्थ 11 अधिकारियों को नवीन पदस्थापना दी गई है। आदेश के अनुसार निरीक्षक भानुप्रताप साव को थाना प्रभारी अंडा से थाना प्रभारी नंदिनी नगर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक राजेश मिश्रा, जो अब तक रक्षित केंद्र दुर्ग में पदस्थ थे, उन्हें थाना प्रभारी पाटन बनाया गया है। वहीं निरीक्षक युवराज साहू को थाना प्रभारी धमधा से हटाकर यातायात शाखा जिला दुर्ग में पदस्थ किया गया है। निरीक्षक अनिल कुमार साहू को थाना प्रभारी पाटन से स्थानांतरित

पुरुषोत्तम कुर्रे को मिली कुम्हारी की जिम्मेदारी

उप निरीक्षक रामनारायण ध्रुव को थाना पुरानी भिलाई से हटाकर थाना प्रभारी धमधा बनाया गया है। उप निरीक्षक पुरुषोत्तम कुर्रे को थाना प्रभारी रानीतराई से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी कुम्हारी की जिम्मेदारी दी गई है। उप निरीक्षक फागू राम लहरे को थाना प्रभारी जामगांव आर से हटाकर थाना भिलाईनगर में पदस्थ किया गया है। उप निरीक्षक पारस ठाकुर को थाना प्रभारी नंदिनी नगर से हटाकर थाना प्रभारी अंडा बनाया गया है।

कर थाना प्रभारी नेवई नियुक्त किया गया है।

तत्काल आदेश लागू करने के निर्देश

वहीं,उप निरीक्षक कमल सिंह सेंगर को थाना प्रभारी नेवई से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी रानीतराई की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उप निरीक्षक योगेश्वर वर्मा को थाना प्रभारी कुम्हारी से हटाकर थाना प्रभारी जामगांव आर नियुक्त किया गया है। उप निरीक्षक दरबारी राम तारम को थाना जामगांव आर से स्थानांतरित कर थाना छावनी में पदस्थ किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल कार्यमुक्त होकर नवीन पदस्थापना स्थल पर आमद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भूपेश,कवासी,अमित और नड्डा के नार्को टेस्ट कराने से आ जाएगी झीरमकांड की सच्चाई?

रायपुर,1 जनवरी 2026। झीरम नक्सल कांड पर एक बार फिर राजनीति गरमा गई है। इस कड़ी में कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। साथ ही अपनी पार्टी के नेता पूर्व सीएम भूपेश बघेल,पूर्व मंत्री कवासी लखमा और जनता कांग्रेस के अध्यक्ष अमित जोगी के नार्को टेस्ट की मांग की है। कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने जांजगीर थाने में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के खिलाफ शिकायत की है। शिकायत में यह कहा कि विगत 23 दिसंबर की जांजगीर की जनसभा में नड्डा ने कहा है कि उन्हें झीरम घाटी की घटना के जानकारी है। झीरम हत्याकांड में कांग्रेस के लोग शामिल थे। वो उन्हें जानते हैं। तिवारी ने इस पूरे मामले में नड्डा से पूछताछ का आग्रह किया है। इससे पूर्व विकास तिवारी ने झीरम घाटी न्यायिक जांच आयोग को पत्र

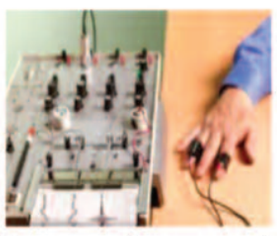

लिखकर नड्डा के साथ-साथ पूर्व सीएम भूपेश बघेल,पूर्व मंत्री कवासी लखमा, अमित जोगी, पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर, और सीएम विष्णुदेव साय का नार्को टेस्ट कराने का आग्रह किया है। तिवारी ने कहा कि वो खुद इसके लिए तैयार हैं। पूर्व सीएम बघेल ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि झीरम कांड के सबूत उनके जेब में है जिसे वह न्यायिक जांच आयोग के सामने प्रस्तुत करेंगे। तिवारी ने कहा कि सभी का नार्को टेस्ट करवाकर शहीदों के परिजनों, और आम जनता के समक्ष प्रस्तुत करें। ताकि झीरम के साजिशकर्ता पर कार्रवाई हो सके।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)